खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 10 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-158

लूट-पॉट मार्केट!

एफ-टी गोल्ड शुद्धता पर संदेह

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के प्रमुख सर्राफा केंद्र पॉट मार्केट में इन दिनों ''FT-FINE GOLD'' की शुद्धता और गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कारीगरों, ग्राहकों और व्यापारिक सूत्रों के बीच इस विषय पर चर्चा तेज हो गई है। आरोप है कि चेन्नई सहित अन्य राज्यों से आने वाले कुछ सोने को स्थानीय बुलियन केंद्रों में ''FT'' के नाम पर एक्सचेंज किया जा रहा है, जबकि कई मामलों में उस पर स्पष्ट रिफाइनरी मार्क, बुलियन पहचान चिन्ह अथवा अन्य आवश्यक विवरण उपलब्ध नहीं होते।

कारीगरों का कहना है कि ऐसे सोने को दोबारा गलाने (री-मिल्टिंग) पर वजन में कमी देखने को मिलती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इस कारण बाजार में उपलब्ध सोने की वास्तविक शुद्धता को लेकर संदेह और गहरा गया है।

विश्वजीत- सीनियर कारीगर का कहना है कि पॉट मार्केट में एक्सचेंज होने वाले कुछ FT-FINE GOLD में कभी-कभी वजन बढ़ाने के लिए रासायनिक पाउडर मिलाए जाने की शिकायतें लंबे समय से सुनने को मिल रही हैं। उनके अनुसार बिना रिफाइन मार्क और बिना मुहर वाले FT को गलाने पर 10 ग्राम 91.60 टच सोना री-मिल्टिंग के बाद लगभग 0.200 से 0.300 मिलीग्राम तक कम हो जाता है और दोबारा वजन करने पर करीब 9.700 ग्राम के आसपास रह जाता है। उनका दावा है कि इस वजन की कमी का सीधा नुकसान आभूषण निर्माण करने वाले कारीगरों को उठाना पड़ता है।

वहीं चूड़ी एवं हाथ कड़ा निर्माण से जुड़े एक वरिष्ठ कारीगर ने भी इसी प्रकार की शिकायत करते हुए कहा कि FT-FINE GOLD की री-मिल्टिंग के दौरान कभी-कभी 0.300 से 0.400 मिली ग्राम तक वजन कम हो जाता है। उनका दावा है कि कुछ मामलों में वजनदार रासायनिक पदार्थ मिलाकर सोने का वजन बढ़ाया जाता है, जिससे तैयार माल में मिलावट आसानी से दिखाई नहीं देती। उनके अनुसार यह अंतर केवल री-मिल्टिंग, टेस्ट स्क्रैच या स्क्रीनिंग जैसी प्रक्रियाओं के दौरान ही सामने आता है।

इस बीच सिकंदराबाद गोल्ड मेल्टिंग (जनरल बाज़ार एवं पॉट मार्केट) एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद पाटिल ने भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि स्थानीय FT सोने में रुथीनियम और इरिडियम जैसे वजनदार पदार्थों की मिलावट का संगठित खेल चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि यह मिलावट इतनी तकनीकी तरीके से की जाती है कि सामान्य जांच मशीनों में पकड़ में नहीं आती और इसका खुलासा केवल आधुनिक रिफाइनिंग प्रक्रिया के दौरान ही संभव होता है।

पाटिल का आरोप है कि त्वरित लाभ और शॉर्टकट के लालच में कुछ नए तत्व इस पूरे सिंडिकेट को चला रहे हैं, जिससे वर्षों से ईमानदारी और भरोसे के साथ व्यापार करने वाले पुराने कारोबारियों की प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ फर्जी हॉलमार्किंग केंद्र 85 प्रतिशत शुद्धता के आभूषणों पर 916 हॉलमार्क अंकित कर इस प्रकार की अनियमितताओं को बढ़ावा दे रहे हैं।

उन्होंने एसोसिएशन के सभी सदस्यों को कड़ा संदेश देते हुए मांग की कि मजदूरी निर्धारण के लिए न्यूनतम 15 प्वाइंट का नियम लागू किया जाए, संदिग्ध एवं मिलावटी सोने को तत्काल जब्त किया जाए तथा RTGS आधारित अनिवार्य बिलिंग प्रणाली लागू कर अपारदर्शी लेन-देन पर रोक लगाई जाए। साथ ही उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) हैदराबाद के अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष, तकनीकी और कठोर जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सचेत करते हुए आनंद पाटिल ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि आभूषण निर्माण के लिए केवल बैंक मेटल अथवा प्रमाणित रिफाइनरी से प्राप्त शुद्ध सोना ही कारीगरों को दिया जाए।

उन्होंने व्यापारियों को सलाह दी कि एक्सचेंज के नाम पर बाजार में चल रहे संदिग्ध ''एफ-टी'' सोने की खरीद-फरोख्त से बचें तथा उसकी गुणवत्ता और स्रोत की पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही लेन-देन करें।

उनका कहना है कि इससे कारीगरों और व्यापारियों दोनों के हित सुरक्षित रहेंगे तथा बाजार में पारदर्शिता और विश्वास कायम रहेगा।

हैदराबाद में केस की जानकारी छुपाई

मीनाक्षी नामांकन रद्द

भोपाल, 09 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन जांच (स्क्रूटनी) के दौरान खारिज कर दिया गया है। इसके साथ ही राज्य की तीसरी राज्यसभा सीट पर मुकाबला समाप्त हो गया और भाजपा उम्मीदवार महेश केवट का निर्विरोध निर्वाचित होना तय है। बीजेपी ने कांग्रेस उम्मीदवार पर नामांकन एफिडेविट में आपराधिक मामला छिपाने का आरोप लगाया था। भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय और राकेश सिंह ने मीनाक्षी नटराजन की उम्मीदवारी के खिलाफ आपत्ति दर्ज कराई थी। आरोप है कि उन्होंने अपने नामांकन पत्र में हैदराबाद की एक अदालत में लंबित आपराधिक मामले की जानकारी छिपाई थी। इसी आधार पर उनके नामांकन को खारिज किया गया। रिटर्निंग ऑफिसर ने बीजेपी की आपत्ति पर मीनाक्षी नटराजन को अपना पक्ष रखने के लिए मंगलवार शाम 6 बजे तक का समय दिया था। मीनाक्षी ने जो स्पष्टीकरण दिया, उससे संतुष्ट नहीं होने पर रिटर्निंग ऑफिसर ने नामांकन रद्द कर दिया।

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए 18 जून को चुनाव होना है। 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विधानसभा में भाजपा के पास 164 विधायक हैं। इस संख्या के आधार पर भाजपा दो राज्यसभा सीटें आसानी से जीतने की स्थिति में थी और उसके पास 48 अतिरिक्त वोट भी बच रहे थे।

हालांकि तीसरी सीट जीतने के लिए उसे क्रॉस वोटिंग या अन्य दलों के समर्थन की जरूरत थी। वहीं कांग्रेस के पास 63 विधायक हैं, लेकिन दो विधायक राजेंद्र भारती और मुकेश मल्होत्रा राज्यसभा चुनाव में मतदान के पात्र नहीं हैं। ऐसे में कांग्रेस की प्रभावी संख्या 61 रह जाती है। इसी वजह से तीसरी राज्यसभा सीट का चुनाव राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा था। हालांकि, मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के चलते यह सीट भी बीजेपी की झोली में आनी तय है। कांग्रेस नेताओं ने इस पूरे मामले में लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज किया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ उठाई गई ▶8पर

ईसी पर फूटा कांग्रेसी गुस्सा

दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर मंगलवार शाम उस वक्त हंगामा मच गया, जब मध्य प्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों में से एक पर कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया गया। समाचार एजेंसी के मुताबिक, नामांकन हलफनामे में कथित तौर पर कानूनी मामले छिपाने के कारण रद्द किया गया। इसके बाद केसी वेणुगोपाल के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल निर्वाचन सदन पहुंचा, जहां उन्हें गेट पर ही रोक दिया गया।

सुरक्षा कर्मियों का कहना था कि बैठक के लिए उन्हें कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है, जबकि कांग्रेस नेता अंदर जाकर अपना पक्ष रखना चाहते थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर रोका जा रहा है और यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि वे केवल अपना ज्ञापन चुनाव आयोग को सौंपना चाहते हैं। वहीं, केसी वेणुगोपाल ने इस पूरे घटनाक्रम को लोकतंत्र की हत्या बताया, जबकि दूसरी ओर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नामांकन रद्द होने के फैसले का समर्थन करते हुए कांग्रेस को ▶8पर

पीओके कत्लेआम

19 बच्चे, 7 गर्भवती की हत्या

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां) पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और सुरक्षा बलों की कार्रवाई को लेकर एक सीक्रेट डोजियर ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इंडिया टुडे को मिले इस कॉन्फिडेंशियल दस्तावेज में 5 जून से 9 जून के बीच पाकिस्तान द्वारा चलाए गए सुरक्षा अभियान का विवरण दिया गया है। इस दौरान 26 लोग मारे गए हैं, जिनमें 7 गर्भवती महिलाएं शामिल हैं।

सीक्रेट डोजियर में आरोप लगाया गया है कि जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) आंदोलन से जुड़े प्रदर्शनकारियों को दबाने के लिए व्यापक बल प्रयोग किया गया। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में चल रहे प्रदर्शन मानवाधिकार उल्लंघन, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक बदहाली के खिलाफ थे। प्रदर्शनकारी लंबे समय से अपने अधिकारों और बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रहे थे।

इसी दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने पूरे इलाके को हिंसा की आग में झोंक दिया। सुरक्षा अभियान के दौरान बड़ी संख्या में आम नागरिक मारे गए। इसमें 19 बच्चों और 7 गर्भवती महिलाओं की मौत हो गई। इन मौतों की स्वतंत्र और अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग की गई है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन रिपोर्ट में इन्हें गंभीर मानवीय संकट के रूप में पेश किया गया है। दस्तावेज में यह भी आरोप लगाया गया है कि विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के लिए पाकिस्तान के करीब 14,000 अतिरिक्त ▶8पर

पहली बार 12 परमाणु हथियार तैनात

वॉर को तैयार भारत

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)। स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 12 परमाणु हथियार तैनात किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शांतिकाल में इतने बड़े पैमाने पर परमाणु हथियारों की तैनाती पहली बार दर्ज की गई है। वहीं, चीन ने भी अपने परमाणु हथियारों की तैनाती की संख्या 2025 के 24 से बढ़ाकर 2026 में 34 कर दी है। एसआईपीआरआई ने सोमवार को अपनी एसआईपीआरआई ईयरबुक 2026 जारी करते हुए कहा कि दुनिया के देश अब राष्ट्रीय शक्ति के साधन के रूप में परमाणु हथियारों पर पहले से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में लगभग 4,012 परमाणु वॉरहेड ऐसे हैं जो मिसाइलों और विमानों के साथ तैनात स्थिति में हैं। एसआईपीआरआई के अनुसार, जनवरी 2026 तक दुनिया में कुल अनुमानित 12,187 परमाणु वॉरहेड मौजूद थे। इनमें से करीब 9,745 वॉरहेड सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए रखे गए थे।

9 देशों के पास हैं परमाणु बम?

रिपोर्ट में नौ परमाणु हथियार संपन्न देशों का उल्लेख किया गया है। ये हैं: अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजरायल।

वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 2,100 से 2,200 तैनात वॉरहेड बैलिस्टिक मिसाइलों पर हाई ऑपरेशनल अलर्ट की स्थिति में रखे गए हैं। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33°
न्यूनतम : 26°

तुम्हीं हो माता- पिता...!

बागी गुट की मजबूरी 'ममता'

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चल रहा हाई-वोल्टेज ड्रामा अब एक बेहद दिलचस्प और ऐतिहासिक मोड़ पर पहुंच गया है। विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) रथींद्र बोस ने एक बड़ा फैसला लेते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दे दी है। इसके बीच सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि ये बागी विधायक न तो कोई नई पार्टी बना रहे हैं और न ही किसी दूसरी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उलटे, वे ममता बनर्जी को ही अपना मार्गदर्शक (एडवाइजर) बता रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि जब विधायक अपनी ही पार्टी के फैसलों के खिलाफ हैं, तो वे अपनी अलग पार्टी क्यों नहीं बना लेते? ममता बनर्जी का नाम बार-बार क्यों लिया जा रहा है? दरअसल, इस राजनीतिक पैंतरेबाजी के पीछे इन विधायकों का तृणमूल या ममता से कोई भावनात्मक लगाव नहीं, बल्कि देश का कानून और संविधान की जटिलताएं हैं। आइए, इन बागी विधायकों की पूरी रणनीति और उनकी मजबूरी को समझते हैं। ▶8पर

कालीघाट पहुंची सीआईडी, दत्ता अरेस्ट

टीएमसी के सत्ता गंवाने के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में हाशिए पर आईं ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। मंगलवार को कोलकाता स्थित उनके कालीघाट ऑफिस पर सीआईडी की टीम पहुंची। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह टीम उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी को नोटिस देने के लिए वहां गई थी क्योंकि यहीं पर टीएमसी का एक ऑफिस भी है। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के लिए आरक्षित महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों से जुड़े एक अहम प्रस्ताव में कुछ तृणमूल कांग्रेस विधायकों के हस्ताक्षरों में कथित गड़बड़ी और असंगति की जांच से संबंधित है।

सीआईडी ने सोमवार (8 जून 2026) को टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को तीसरा नोटिस जारी किया था और 9 जून शाम 5 बजे तक दक्षिण कोलकाता स्थित सीआईडी मुख्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा था। इससे पहले 30 मई को जारी पहले नोटिस में उन्हें 1 जून को सीआईडी मुख्यालय में पेश होने को कहा गया था। ▶8पर

हरिद्वार में बिरयानी नहीं वेज पुलाव पोस्टर

हरिद्वार, 09 जून (एजेंसियां)। धर्मनगरी हरिद्वार में इन दिनों वेज बिरयानी बनाम वेज पुलाव को लेकर एक नई मुहिम चर्चा का विषय बनी हुई है। इस अभियान की शुरुआत अखंड परशुराम अखाड़ा और संत समाज की ओर से की गई थी, जो अब तेजी से आगे बढ़ रही है। श्री हिंदू तख्त के प्रदेश अध्यक्ष यश देव कौशिक के नेतृत्व में संत समाज, ब्राह्मण समाज और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मिलकर हरिद्वार और कनखल क्षेत्र में दुकानों, ठेलियों और रेहड़ी-पटरियों पर लगे वेज बिरयानी के पोस्टर हटाए और उनकी जगह वेज पुलाव के पोस्टर व स्टिकर लगाए। ▶8पर

रेगिस्तानी जमीन भी होगी उपजाऊ, लहलहाएगी फसल

बीजिंग

चीनी वैज्ञानिकों ने एक विशेष प्रकार का बैक्टीरिया विकसित किया है, जो रेगिस्तान की रेतीली जमीन को मात्र 10 महीनों के भीतर उपजाऊ मिट्टी में बदलने में सक्षम है। वैज्ञानिकों की यह सफलता कृषि और पर्यावरण के क्षेत्र में क्रांति ला सकती है। यह अनोखा बैक्टीरिया मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों (ह्यूमस) के निर्माण को बढ़ावा देता है, जिससे उसकी जल धारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इसके साथ ही, यह पौधों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता को भी सुनिश्चित करता है। प्रयोगशाला परीक्षणों में वैज्ञानिकों ने रेतीली मिट्टी पर इस बैक्टीरिया का छिड़काव किया और चौंकाने वाले परिणाम सामने आए। केवल 10 महीनों के अंदर ही रेतीली जमीन में पर्याप्त मात्रा में ह्यूमस बन गया और वह फसल उगाने लायक उपजाऊ मिट्टी में परिवर्तित हो गई। यह खबर उन तमाम देशों के लिए एक बड़ी उम्मीद बनकर उभरी है, जिनके बड़े हिस्से मरुस्थल या बंजर भूमि से घिरे हुए हैं। इस अविष्कार का उपयोग भारत के थार रेगिस्तान, अफ्रीका के विशाल सहारा रेगिस्तान, मध्य पूर्व के रेगिस्तानी इलाकों और चीन के अपने गोबी रेगिस्तान जैसे क्षेत्रों में किया जा सकता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि इस बैक्टीरिया को बड़े पैमाने पर सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया, तो लाखों हेक्टेयर बंजर जमीन को हरियाली से भरा जा सकता है और उसे कृषि योग्य बनाया जा सकता है। चीन के शोधकर्ताओं ने बताया कि यह बैक्टीरिया प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवों से प्रेरित है, लेकिन उन्होंने इसे प्रयोगशाला में और अधिक प्रभावी और तेजी से काम करने वाला बनाने के लिए संशोधित किया है। यह सूक्ष्मजीव मिट्टी के कणों को एक साथ जोड़ने में मदद करता है, जिससे मिट्टी की संरचना में सुधार होता है, नमी अधिक समय तक बनी रहती है और सूक्ष्म पोषक तत्व बढ़ जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप पौधों की जड़ें आसानी से फैल पाती हैं और उन्हें पर्याप्त पोषण मिलता है। पारंपरिक रूप से, रेगिस्तानी इलाकों में खेती करना बेहद मुश्किल और खर्चीला होता है, क्योंकि इसके लिए भारी मात्रा में पानी, रासायनिक खाद और विशेष तकनीकों की आवश्यकता होती है। लेकिन इस नए बैक्टीरिया से पानी की खपत में भी काफी कमी आने की उम्मीद है, जो वैश्विक जल संकट को देखते हुए एक बड़ी राहत है। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा कि यह तकनीक जलवायु परिवर्तन से लड़ने में भी एक महत्वपूर्ण हथियार साबित होगी, क्योंकि बंजर भूमि पर ज्यादा पेड़-पौधे लगाने से वायुमंडल से कार्बन डाइआक्साइड की मात्रा को कम करने में मदद मिलेगी और मिट्टी में कार्बन का भंडारण बढ़ेगा। भारतीय कृषि वैज्ञानिक भी इस अविष्कार पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। यदि भारत इस तकनीक को अपनाता है, तो थार रेगिस्तान के बड़े हिस्से को हरियाली से भर दिया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

दुबई में भीषण सड़क हादसे में सात भारतीयों की मौत, नौ घायल

दुबई। दुबई में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। दुबई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि सड़क दुर्घटना में कई भारतीय श्रमिकों की मौत की खबर अत्यंत दुखद है। दूतावास के अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटे हैं। दुबई पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब एक मिनीबस सड़क के बीच तकनीकी खराबी के कारण खड़े एक ट्रक से पीछे से टकरा गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक अचानक बीच सड़क पर रुक गया था। दुबई पुलिस के यातायात विभाग के महानिदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि बस चालक पर्याप्त सावधानी नहीं बरत सका और सुरक्षित दूरी बनाए रखने में विफल रहा, जिसके कारण यह टक्कर हुई। दुर्घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं। घायलों में पांच की हालत गंभीर बताई गई है, जबकि चार अन्य को मध्यम श्रेणी की चोटें आई हैं।

हार्मुज पर नियंत्रण बनाए रखने पर अड़ा ईरान, यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों की आलोचना

तेहरान। ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हार्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की है। उसका कहना है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अपने संप्रभु अधिकारों का प्रयोग जारी रखेगा। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने यूरोपीय संघ के फैसले को भ्रामक और राजनीतिक कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि ईरान इस तरह के कदमों को कोई महत्व नहीं देता और हार्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी संप्रभुता बनाए रखने की नीति पर आगे बढ़ता रहेगा। इससे पहले यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख ने बताया था कि सदस्य देशों ने उन कुछ ईरानी व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिन पर जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को सीमित करने में भूमिका निभाने का आरोप है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता में जारी गतिरोध के बीच हार्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित बनी हुई है। दुनिया के कुल कच्चे तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है, इसलिए क्षेत्र में तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी पड़ सकता है।

दुनिया के 10 फाइटर जेट में सबसे ज्यादा ताकतवर अमेरिका का एफ-35 लाइटनिंग-2

वाशिंगटन। आधुनिक युद्ध में हवाई शक्ति का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल के वर्षों में हुए संघर्षों ने साबित कर दिया है कि किसी भी देश की सैन्य क्षमता का बड़ा आधार उसकी वायुसेना और अत्याधुनिक लड़ाकू विमान होते हैं। स्टील्थ तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेंसर, लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार और सुपरक्रूज जैसी क्षमताएं अब लड़ाकू विमानों की ताकत का पैमाना बन चुकी हैं। इसी कारण दुनिया के प्रमुख देश नए और अधिक उन्नत फाइटर जेट विकसित करने की दौड़ में शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में दुनिया के सबसे ताकतवर लड़ाकू विमानों की सूची में अमेरिका का दबदबा है। सूची में शीर्ष स्थान पर लाकहीड मार्टिन का एफ-35 लाइटनिंग-2 है, जिसे दुनिया का सबसे सफल पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान माना जाता है। इसकी स्टील्थ क्षमता, सेंसर फ्यूजन और इलेक्ट्रानिक युद्ध प्रणाली इसे बेहद प्रभावशाली है। दूसरे स्थान पर रूस का सुखोई एसयू-57 फेलन है, जो स्टील्थ और उच्च गतिशीलता का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करता है। तीसरे स्थान पर चीन का चेंगदू जे-20 माइटी ड्रैगन है, जिसने एशिया में चीन की हवाई शक्ति को नई पहचान दी है।

जासूसी से इजराइल-अमेरिका से रिश्तों में आया अविश्वास, कंडीशन क्रिटकल

ट्रंप ने दो टूक कहा था- अब हर कोई इजराइल और नेतन्याहू से नफरत कर रहा

वाशिंगटन

अमेरिका और इजराइल के बीच दशकों पुराने रिश्तों में अविश्वास पैदा हो गया है। वाशिंगटन की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के मुताबिक पेंटागन ने इजराइल की जासूसी गतिविधियों को लेकर अपनी चिंताएं जताई हैं उसने आंतरिक रूप से इजराइल के काउंटर-इंटेलिजेंस खतरे के स्तर को बढ़ाकर क्रिटिकल यानी गंभीर स्तर तक कर दिया है। यह अमेरिकी रक्षा विभाग का सबसे ऊंचा चेतावनी स्तर है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ईरान के साथ जारी संघर्ष और पश्चिम एशिया की नीति पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच रणनीतिक मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बर्नर फोन और होटल के कमरों में खामोशी अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी द्वारा जारी सात पन्नों के आंतरिक मूल्यांकन दस्तावेज में साफ है कि इजराइल की मानव और तकनीकी खुफिया जानकारी जुटाने की क्षमता बेहद आक्रामक है। आलम यह है कि अमेरिकी अधिकारी अब इजराइल के दौरों पर बहुत डरे और सहमे रहते हैं। सुरक्षा के लिहाज से अब वे अस्थायी कंप्यूटरों, बर्नर फोनों और कड़े सुरक्षा प्रोटोकाल का सहारा ले रहे हैं।

पूर्व राजनयिकों और सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी अब इजराइल के होटलों या असुरक्षित कमरों में गोपनीय मामलों पर बात करने से भी कतराते हैं। उन्हें इस बात का डर रहता है कि उनकी बातें रिकार्ड की जा रही हैं। इस जासूसी विवाद के पीछे दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच उपजी कड़वाहट है। हाल ही में ट्रंप और नेतन्याहू के बीच फोन पर हुई भी बातचीत बहुत तीखी और तनावपूर्ण रही, जिसमें ट्रंप ने नेतन्याहू को पागल तक कह दिया। जब नेतन्याहू ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर फिर से हवाई हमले शुरू करने की धमकी दी, तो ट्रंप का गुस्सा फूट पड़ा।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने दो टूक शब्दों में कहा कि इसी वजह से अब हर कोई तुमसे नफरत कर रहा है। हर कोई इजराइल से नफरत कर रहा है।

आपरेशन नस्र के तहत ईरान का बड़ा हमला, इजराइली एयरबेस पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

तेहरान। मध्य पूर्व में तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ईरान ने आपरेशन नस्र के तहत इजराइल के महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों और एयरबेस को निशाना बनाते हुए बैलिस्टिक मिसाइलों की नई खेप दागी है। यह हमला हाल ही में बेरूत में हुए इजराइली हवाई हमलों के जवाब में किया गया बताया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों को रोकने के लिए इजराइल की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय कर दी गई। इजराइली सेना ने दावा किया कि अधिकांश मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया गया या वे निर्जन क्षेत्रों में गिरीं। हमले के दौरान उत्तरी इजराइल के कई इलाकों में सायरन बजाए गए और नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स ने इस कार्रवाई को इजराइल के खिलाफ जवाबी अभियान की शुरुआत बताया है। वहीं इजराइल ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए पश्चिमी ईरान और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए हैं। इस घटनाक्रम के बाद पूरे क्षेत्र में युद्ध की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और हालात को और अधिक नहीं बिगाड़ने की अपील की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सैन्य टकराव जारी रहा तो इसका असर पूरे मध्य पूर्व की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है।

पुतिन के बयान पर चीन की प्रतिक्रिया, भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि साझेदार

बीजिंग

बीजिंग ने भारत को अपना स्वाभाविक साझेदार बताकर रूस और भारत के साथ त्रिपक्षीय संबंधों की वकालत की है। यह प्रतिक्रिया रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हालिया इंटरव्यू के बाद आई है, जिसमें उन्होंने चीन-रूस, चीन-रूस-भारत, रूस-भारत और भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा की थी। चीन ने स्पष्ट किया है कि वह भारत को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि स्वाभाविक पार्टनर मानता है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन, रूस और भारत तीनों ही तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं हैं। इन देशों के बीच अच्छे संबंध बनाए रखना न केवल उनके अपने हित में है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के लिए जरुरी है। चीन ने त्रिपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए रूस और भारत के साथ बातचीत जारी रखने की बात कही।

प्रवक्ता लिन जियान ने चीन-भारत संबंधों पर विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि चीन-भारत सीमा पर स्थिति सामान्य तौर पर स्थिर बनी हुई है और दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते खुले हैं। लिन जियान ने जोर दिया कि चीन और भारत को सही रणनीतिक समझ को बनाए रखना चाहिए कि वे प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि साझेदार हैं। दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं, बल्कि विकास के मौके प्रदान करते हैं। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिए से देखने, आपसी विश्वास बढ़ाने, सहयोग का विस्तार करने और मतभेदों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि चीन-भारत संबंध स्वस्थ और स्थिर रास्ते पर आगे बढ़ सकें।

भारत-पाकिस्तान तनाव पर चीन के रुख पर, लिन जियान ने कहा कि चीन इस मुद्दे पर अपना रुख पहले भी कई बार स्पष्ट कर चुका है। उन्होंने दोनों पक्षों को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए बातचीत और परामर्श के माध्यम से अपने विवादों को सुलझाने के लिए प्रोत्साहित किया।

अमेरिकी कोर्ट ने एच-1बी वीजा पर लगे 1 लाख डालर का शुल्क रद्द किया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा आवेदनों पर लगाए गए 1 लाख डालर के भारी-भरकम शुल्क को अमेरिकी अदालत ने अवैध करार दे दिया है। बोस्टन में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज लियो सोरोकिन ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि यह नीति संसद (कांग्रेस) की ओर से दी गई आवश्यक मंजूरी के बिना एच-1बी याचिकाओं पर टैक्स लगाने जैसा है। अदालत का यह ऐतिहासिक फैसला अमेरिकी तकनीकी कंपनियों में काम करने वाले और वहां जाने की इच्छा रखने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए एक बहुत बड़ी राहत लेकर आया है। गौरतलब है कि एच-1बी कार्यक्रम अमेरिका का सबसे लोकप्रिय कार्य वीजा कार्यक्रम है, जो वहां की कंपनियों को वैश्विक स्तर पर कुशल और तकनीकी प्रतिभाओं को नियुक्त करने की अनुमति देता है। पिछले वर्ष सितंबर में राष्ट्रपति ट्रंप ने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत नए आवेदनों के लिए सालाना 1 लाख डालर का शुल्क अनिवार्य किया गया था। प्रशासनिक अधिकारियों ने इस कदम को अमेरिकी नागरिकों को नौकरियों में प्राथमिकता देने और कंपनियों को प्रोत्साहित करने की पहल बताया था। यह शुल्क आमतौर पर नौकरी देने वाली प्रायोजक कंपनी की ओर से चुकाया जाता है।

चीन ने बनाया छोटे पंखो वाला फाइटर जेट, माइटी ड्रैगन, आसमान से बरसा सकता है कहर

बीजिंग

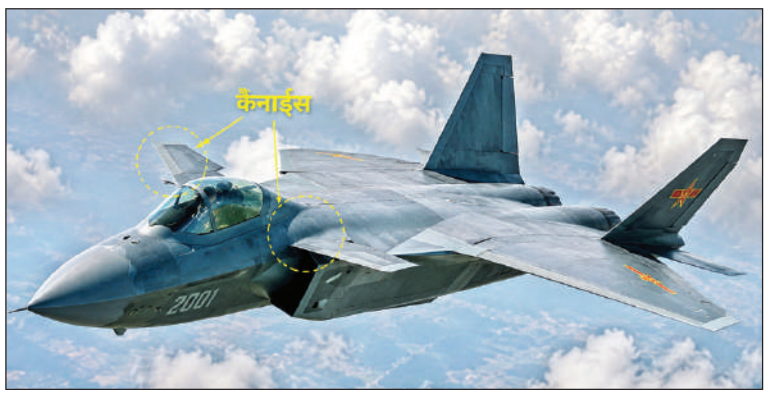

आसमान में महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की जंग लगातार तेज हो रही है, और इस रेस में चीन का सबसे आधुनिक और भारी स्टील्थ फाइटर जेट जे-20 माइटी ड्रैगन इस समय दुनिया भर के रक्षा विशेषज्ञों के बीच कौतूहल का विषय बना हुआ है। इस अत्याधुनिक लड़ाकू विमान की सबसे बड़ी यूएसपी और अनोखी पहचान इसके मुख्य पंखों के आगे लगे दो बेहद छोटे-छोटे पंख हैं, जिन्हें विमानन तकनीक की भाषा में कैनार्ड्स कहा जाता है। आमतौर पर रडार की नजरों से पूरी तरह गायब रहने वाले 5वीं पीढ़ी के स्टील्थ विमानों में इन अतिरिक्त गतिशील पंखों को लगाने से बचा जाता है, लेकिन चीन ने एक बेहद सोची-समझी रणनीति के तहत जे-20 में इस अनूठे डिजाइन को उतारा है। यही वह तकनीक है जो इस भारी-भरकम और विशालकाय लड़ाकू विमान को आसमान में एक हल्के लड़ाकू विमान जैसी अकल्पनीय फुर्ती और रफ्तार प्रदान करती है।

जब बात आमने-सामने की हवाई लड़ाई यानी डागफाइट की आती है, तो जे-20 के ये आगे वाले छोटे पंख युद्ध का पासा पलटने का दम रखते हैं। हवा के प्रचंड दबाव को चीरते हुए ये कैनार्ड्स विमान के अगले हिस्से को पलक झपकते ही किसी भी दिशा में मोड़ने की आजादी देते हैं। इसके दम पर जे-20 दुश्मन के लड़ाकू विमानों की पोजीशन को भांपकर हवा में ऐसी खतरनाक कलाबाजियां दिखा सकता है कि विरोधी पायलट का सटीक निशाना भी चूक जाए। इतना ही नहीं, आधुनिक युद्ध क्षेत्र में जब दुश्मन की कोई खतरनाक गाइडेड मिसाइल जे-20 की तरफ बढ़ती है, तो ये छोटे पंख जेट को अत्यधिक जी-फोर्स को सहते हुए अचानक से रास्ता बदलने में मदद करते हैं, जिससे विरोधी मिसाइल हवा में ही दिशाभ्रमित होकर नाकाम हो जाती है।

एविएशन इंजीनियरिंग के नजरिए से देखा जाए तो चीन ने जे-20 में कैनार्ड्स लगाकर एक बहुत बड़ा तकनीकी जुआ खेला है। अमरीकी रक्षा विशेषज्ञ हमेशा से यह मानते रहे हैं कि स्टील्थ विमानों में जितने ज्यादा गतिशील हिस्से या जोड़ होंगे, वे रडार की तरंगों को उतना ही ज्यादा परावर्तित करेंगे, जिससे विमान के पकड़े जाने का खतरा बढ़ जाता है। यही वजह है कि अमेरिका के एफ-22 रैप्टर और एफ-35 लाइटनिंग जैसे विमानों में कभी भी कैनार्ड्स नहीं दिए गए, क्योंकि अमेरिका पूरी तरह से परफेक्ट स्टील्थ तकनीक चाहता था। इसके उलट, चीनी इंजीनियरों की सोच बिल्कुल अलग थी। चीन को प्रशांत महासागर क्षेत्र में लंबी दूरी तक मार करने वाला एक ऐसा भारी विमान चाहिए था, जिसकी ईंधन क्षमता और हथियार ले जाने की क्षमता (पेलोड) लगभग 11 टन जितनी विशाल हो। इतने भारी विमान को अगर आसमान में फुर्तीला बनाए रखना था, तो पारंपरिक अमेरिकी डिजाइन काम नहीं आ सकती थी। इसलिए चीनी इंजीनियरों ने रडार से बचने की क्षमता यानी स्टील्थ से थोड़ा सा समझौता मंजूर किया, लेकिन जे-20 को कैनार्ड्स देकर सुपर-मैनुवरेबिलिटी (अत्यधिक फुर्ती) से लैस कर दिया।

आयरलैंड में लगता है लाल बाल वालों का अनूठा मेला

डबलिन

हर साल आयरलैंड में एक अनोखा मेला लगता है जिसमे केवल प्राक्रतिक रुप से लाल बाल वालों को प्रवेश मिलता है। इस अनूठे मेले में भाग लेने के लिए दुनिया के कोने-कोने से लाल बालों वाले लोग आयरलैंड पहुंचते हैं। यह मेला मुख्य रूप से ग्रीष्म ऋतु के दौरान आयोजित किया जाता है और यह लाल बालों की दुर्लभता तथा उनकी अनूठी सुंदरता का एक भव्य उत्सव होता है। मेले में आने वाले प्रतिभागियों के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें संगीतमय कंसर्ट, पारंपरिक आयरिश नृत्य, मजेदार प्रतियोगिताएं जैसे रेडहेड ब्यूटी कान्टेस्ट, सबसे लंबी लाल दाढ़ी, सबसे लाल झाइयां, मनोरंजक खेल, पेशेवर फोटोशूट और ढेर सारी अन्य गतिविधियां शामिल हैं। यह एक ऐसा अवसर होता है जहां लोग नए दोस्त बनाते हैं, अपनी अनूठी कहानियां साझा करते हैं और अपने लाल बालों पर गर्व महसूस करते हैं। लाल बाल दुनिया में बेहद दुर्लभ माने जाते हैं। वैश्विक आबादी के केवल 1-2 प्रतिशत हिस्से में ही यह विशेष जीन पाया जाता है, जिसके कारण लाल बाल और अक्सर त्वचा पर झाइयां होती हैं। आयरलैंड में लाल बालों वाले लोगों की संख्या विश्व में सर्वाधिक है, यही वजह है कि यह फेस्टिवल विशेष रूप से यहां मनाया जाता है।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस फेस्टिवल की शुरुआत एक ब्लोंड (सुनहरे बालों वाले) व्यक्ति ने की थी, फिर भी यह इतना सफल हुआ कि अब हर साल हजारों लोग इसमें शामिल होते हैं। यह मेला सिर्फ मौज-मस्ती और पार्टी तक सीमित नहीं है; यहां लाल बालों वाले लोग अपनी संस्कृति, जीवन की चुनौतियों और अपने खास अनुभवों पर खुलकर चर्चा भी करते हैं। कई प्रतिभागी बताते हैं कि स्कूल या कालेज के दिनों में उन्हें अपने लाल बालों को लेकर अक्सर मज़ाक का सामना करना पड़ता था, लेकिन इस मेले में आकर वे अपनी विशिष्टता पर खुलकर गर्व महसूस करते हैं और एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। यह मेला आयरलैंड के एक छोटे से कस्बे में आयोजित होता है, जहाँ का माहौल बेहद उत्साही, रंगीन और मैत्रीपूर्ण रहता है। लाल बालों वाले लोग विशेष कपड़े पहनकर आते हैं, जिनमें अक्सर हरे रंग का प्रभुत्व होता है, जो आयरलैंड का राष्ट्रीय रंग है। कुछ लोग तो पूरे परिवार के साथ इस उत्सव में शामिल होते हैं - बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी को यहां भरपूर आनंद आता है। सोशल मीडिया पर इस मेले के वीडियो और तस्वीरें खूब वायरल होती हैं, जिससे इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। लोग कमेंट्स में अपनी इच्छाएं व्यक्त करते हैं जैसे - काश मेरे भी लाल बाल होते, यह दुनिया का सबसे अनोखा फेस्टिवल है, या आयरलैंड की संस्कृति कमाल की है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे।परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। आज के दिन क़िस्मत आपका साथ देगी और आपको लाभ होगा, क्योंकि आप सही समय पर सही जगह उपस्थित होंगे। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने फ़ैसले बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज़ कर सकता है। बेहतर होगा कि आप उन्हें अपना पक्ष समझाएँ, ताकि वे उसके पीछे की वजह को समझकर आपकी बात को आसानी से स्वीकार कर सकें। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए समय अनुकूल नहीं हैं आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। आपके घर का कोई सदस्य आज आपके साथ वक्त बिताने की जिद्द कर सकता है जिसके कारण आपका कुछ समय खराब हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। लोगों और उनके इरादों के बारे में जल्दबाज़ी में फ़ैसला न लें। हो सकता है कि वे दबाव में हों और उन्हें आपकी सहानुभूति व विश्वास की ज़रूरत हो। लंबित व्यावसायिक योजनाएँ शुरू होंगी। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन बहुत लाभदायक नहीं है इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। लगता है कि आपके वरिष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। निर्णय लेते समय अपने अहम को बीच में न आने दें, अपने कनिष्ठ सहकर्मियों की बात पर ग़ौर फ़रमाएँ। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए नई चीज़ों को सीखने की आपकी ललक क़ाबिल-ए-तारीफ़ है। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 जून 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 01:00 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा प्रातः 09:22 तक
योग : आयुष्मान प्रातः 06:29 तक
करण : वणिज दोपहर 01:55 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , गण्डमूल प्रातः 09:22 से , भद्रा दोपहर 01:55 से रात्रि 01:01 तक , अधिक मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पित्ती ट्रस्ट अग्रवाल सेवा दल के सेवा शिविर का हजारों लोगों ने उठाया लाभ

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा बत्तिनी गौड़ परिवार के मछली प्रसाद वितरण कार्यक्रम के अवसर पर देशभर से हैदराबाद पहुंचे श्रद्धालुओं के लिए प्रदर्शनी मैदान में विशाल सेवा शिविर एवं आपातकालीन चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर सोमवार, 9 जून को दोपहर 2 बजे तक संचालित रहा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भोजन, पेयजल एवं चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाया।

शिविर का उद्घाटन हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया। इस अवसर पर पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद बी. पित्ती सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

5 जून से ही शुरू कर दी गई थी सेवा व्यवस्था

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता ने बताया कि दमा रोग के उपचार हेतु बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा मछली प्रसाद का वितरण 8 जून से प्रारंभ किया गया, लेकिन बाहरी क्षेत्रों से आने वाले लोगों का हैदराबाद पहुंचना 5 जून से ही शुरू हो गया था। इसे देखते हुए पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल ने 5 जून से ही सेवा कार्य आरंभ कर दिए थे।

उन्होंने बताया कि हजारों श्रद्धालुओं को भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में मछली प्रसाद ग्रहण करने वाले रोगियों के लिए अगले 45 दिनों तक अपनाए जाने वाले परहेज संबंधी खाद्य सामग्री की विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई।

निःशुल्क चिकित्सा एवं एम्बुलेंस सेवा की व्यवस्था

शिविर में मेडिकवर अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क आपातकालीन चिकित्सा सेवा तथा एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई गई। दमा रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए पेयजल पैकेट, छाछ, चाय, बिस्कुट, उपमा, पोहा, पुलिहोरा, पूरी-सब्जी, सांभर-चावल सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों का निरंतर निःशुल्क वितरण किया गया।

चार दिवसीय इस सेवा शिविर में लगभग एक लाख लोगों के लिए भोजन व्यवस्था की गई। शिविर में पित्ती ट्रस्ट, अग्रवाल सेवा दल, पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारियों, अग्र महिला मंच एवं अग्रणी महिला मंच की सदस्याओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। विभिन्न राज्यों और शहरों से आए श्रद्धालुओं ने भी मछली प्रसाद ग्रहण कर इस सेवा का लाभ उठाया।

सामूहिक सेवा भावना का प्रेरक उदाहरण बना शिविर

उद्घाटन समारोह में पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं सेवा दल के परामर्शदाता शरद बी. पित्ती, अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजित गुप्ता, कैलाश केड़िया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, दीपक गुप्ता, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल, गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, अजय तुलस्यान, विनोद अग्रवाल, निर्मला केड़िया, गोपाल मोर, अनिल मिश्रा, दिलीप पंसारी, रमेश अग्रवाल, नवीन केड़िया, नवीन पटवारी, गोविंद अग्रवाल, गोविंद केड़िया, काजल अग्रवाल, नीना अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, दीपा गर्ग, अंजू गोयल तथा अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के शशिकांत अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों ने भी शिविर में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कीं। आयोजन ने सेवा, सहयोग और मानवता की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

पीठ में छुरा घोंपने वाले को महिलाओं पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं: साना सतीश

विजयवाड़ा, 9 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीडीपी के राज्यसभा उम्मीदवार साना सतीश ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिस व्यक्ति ने अपनी ही माँ और बहन की पीठ में छुरा घोंपा हो, उसका महिलाओं के सम्मान के बारे में बात करना बेहद अजीब है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जगन के पास महिलाओं के बारे में बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

आज जारी एक वीडियो बयान में साना सतीश ने सवाल उठाया कि जब वाईसीपी सरकार सत्ता में थी, तब उन्होंने 11 लोगों को राज्यसभा की सदस्यता दी, लेकिन क्या उनमें से एक भी महिला को मौका दिया गया? उन्होंने कहा कि अगर महिलाओं के प्रति जगन की कोई वास्तविक प्रतिबद्धता थी, तो उन्हें उसी समय इसे साबित करना चाहिए था। सतीश ने आलोचना करते हुए कहा कि टीडीपी द्वारा ममहानडुफ के मंच से आगामी चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत सीटें आवंटित करने की घोषणा के बाद से जगन असमंजस और लाचारी की स्थिति में हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जगनजिन्होंने न केवल विशाखापत्तनम में अपनी माँ को हरवाया बल्कि पार्टी की बैठक में उनसे इस्तीफा भी दिलवा दियाअब महिलाओं को लेकर झूठा प्रचार करवा रहे हैं।

साना सतीश ने सीधे तौर पर सवाल किया, जब आपने अपनी माँ और बहन को धोखा दिया, तब आपको महिलाओं का सम्मान याद नहीं आया क्या?

उन्होंने अंत में स्पष्ट किया कि टीडीपी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनके विकास के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

मारवाड़ी सम्मेलन बेंगलूरु की वैकुण्ठ रथ सेवा का लोकार्पण

1 जुलाई से मिलेगी निःशुल्क सुविधा

बेंगलूरु, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी सम्मेलन बेंगलूरु द्वारा समाज सेवा और मानवीय संवेदनाओं को समर्पित ङ्गवैकुण्ठ रथ सेवाफ का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। यह सेवा आगामी 1 जुलाई से सभी वर्गों के लिए पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध होगी।

कार्यक्रम में सम्मेलन के अध्यक्ष पंकज जालान, सचिव स्नेह कुमार जाजू सहित अनेक पदाधिकारी, समाजसेवी, उद्योगपति एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों तथा अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने इस पहल को समाज की सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

वैकुण्ठ रथ सेवा परियोजना के सलाहकार एवं चेयरमैन सुरेन्द्र गोयल, डायरेक्टर मनीष अग्रवाल तथा कोऑर्डिनेटर अशोक अग्रवाल ने बताया कि यह सेवा बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचेगी। इसका उद्देश्य दिवंगत व्यक्तियों को सम्मानजनक अंतिम विदाई प्रदान करना तथा शोकाकुल परिवारों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है। वक्ताओं ने कहा कि मारवाड़ी समाज शिक्षा, स्वास्थ्य, धर्म, संस्कृति और जनकल्याण के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है। वैकुण्ठ रथ सेवा इसी सेवा-संकल्प की एक प्रेरणादायी कड़ी है, जो समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण बनेगी। समारोह में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, वरिष्ठ उद्योगपतियों, समाजसेवियों तथा बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर सेवा प्रकल्प में सहयोग देने वाले दानदाताओं एवं समाजसेवियों का सम्मान भी किया गया। अंत में आयोजकों ने सभी सहयोगियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ड्यूटी पर जाते समय कांस्टेबल रघु का हृदयाघात से निधन

बांसवाड़ा, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा शहर के गांधारी पुलिस थाने में कार्यरत कांस्टेबल कुरापति रघु (44) का मंगलवार सुबह हृदयाघात (हार्ट अटैक) से निधन हो गया। उनकी अचानक मृत्यु से पुलिस विभाग एवं क्षेत्रवासियों में शोक की लहर फैल गई। परिजनों के अनुसार, सोमवार रात ड्यूटी करने के बाद मंगलवार सुबह रघु पुलिस थाने जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें अचानक उल्टी हुई और वे सड़क पर गिर पड़े। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनका निधन हो गया। रघु बांसवाड़ा के वार्ड संख्या 16 स्थित सिद्धि गली के निवासी थे। उनके परिवार में पत्नी एवं दो पुत्रियां हैं। उनकी पार्थिव देह को अंतिम दर्शन के लिए बांसवाड़ा लाया गया। गांधारी थाना के एसआई, सीआई सहित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

टीसीसी के राज्य महासचिव बने अधिवक्ता मोहम्मद अख्तर शरीफ

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं शिक्षाविद मोहम्मद अख्तर शरीफ को तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल (टीसीसी) की राज्य इकाई का महासचिव नियुक्त किया गया है। यह निर्णय टीसीसी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। इसकी जानकारी संगठन के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने दी।

मोहम्मद अख्तर शरीफ पिछले दो दशकों से विधि, शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालयों में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत हैं तथा कानूनी जागरूकता, मानवाधिकार, शिक्षा, सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक कल्याण से जुड़े अनेक कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक प्रतिबद्धता से टीसीसी की गतिविधियों को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

फिफ्थ टाउन थाने के नए एसआई सुनील का सम्मान

बांसवाड़ा, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद शहर के फिफ्थ टाउन पुलिस थाने में नव नियुक्त उपनिरीक्षक (एसआई) सुनील के पदभार ग्रहण करने पर दलित कल्याण समिति, वर्णी चौराहा शाखा की ओर से उनका सम्मान किया गया। समिति के अध्यक्ष रामचंदर गायकवाड़ के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में एसआई सुनील को पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को मिठाई वितरित कर शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में टी. राजू, डब्ल्यू. अशोक, सीमा गंगाधर, के. राजेंद्र, आरटीसी गंगाराम, कंडक्टर गंगाधर, ए. शिवाजी, अजय, विकास, साई, कुमार सहित समिति के अनेक सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एसआई सुनील को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणादायक : आशा अग्रवाल

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क क्षेत्र में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, असहाय एवं निराश्रित लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा को मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए समाज में परस्पर सहयोग और करुणा की भावना को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ सेवा भाव से कार्य कर रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन एवं सहायता पहुंचाना एक महान कार्य है। सेवा का यह सतत अभियान अनेक लोगों के जीवन में आशा और विश्वास का संचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब समाज के सक्षम लोग जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशील होकर आगे आते हैं तो सामाजिक समरसता और मानवता दोनों मजबूत होती हैं।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांतजी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, संजय गुप्ता, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, हरीश तोलाराम हिंदूजा एवं पद्माजी (संतलाल परिवार) सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। सभी ने राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे मानवता की सच्ची सेवा बताया।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई तथा अन्न वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उपस्थित सदस्यों ने संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्य जारी रखे जाएंगे ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके। राधे-राधे ग्रुप का यह सतत सेवा अभियान समाज में मानवीय मूल्यों, करुणा और परोपकार की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

महाभारत कथा : भगवान कृष्ण का अवतरण यदु- कुल में

कुरु-वंश और यदु-वंश से जुडी इस श्रृंखला में आज पढते हैं, यदु वंश की शुरुआत के बारे में और भगवान श्री कृष्ण के जन्म के बारे मेंज

सद्गुरु : यदु को उसके पिता ययाति ने श्राप दिया था कि वह कभी राजा नहीं बन सकता। वह दक्षिण की ओर आज के मथुरा शहर चला आया और नागा जनजाति में विवाह कर लिया। उस जनजाति में राजा नहीं होतेथे, एक परिषद शासन चलाती थी।यदु उस शासक परिषद में शामिल हो कर उसका मुखिया बन गया। उसके बच्चों से अलग-अलग वंश परंपराएं निकलीं जैसे अंधक, भोजक और वृष्णि, जो साथ मिलकर यादवों के नाम से मशहूर हुईं।

कुछ पीढियों के बाद यदु वंश में वासुदेव का जन्म हुआ। उनकी दो पत्नियां, देवकी और रोहिणी थीं। देवकी का एक सौतेला भाई था, कंस, जो जबरन बनाए गए संबंध यानी बलात्कार से पैदा हुआ था। उन दिनों हर कहीं यह परंपरा थी कि चाहे बच्चे का जन्म किसी भी तरह हुआ हो, वह अपनी मां के वंश का एक वैध हिस्सा बन जाता था। मगर यादवों ने कंस को नहीं अपनाया और उसे अवैध सन्तान कहकर दुत्कार दिया। वह एक महान योद्धा था, फिर भी उन्होंने उसे शासक परिषद में शामिल करने से इनकार कर दिया क्योंकि वह बहुत दुष्ट और असभ्य था। कंस ने पूरब के एक महान राजा जरासंध से दोस्ती कर ली। जरासंध के समर्थन के कारण बहुत से लोग कंस के साथ हो गए। यादव वंश में पहली बार ऐसा हुआ था कि किसी ने बुजुर्गों की परिषद को खारिज करके खुद को राजा घोषित कर दिया था। राजा बनने के बाद कंस ने अपनी निर्विवाद सत्ता स्थापित कर ली और अपने असभ्य तरीकों से राजपाट चलाने लगा। उसके शासन में लोग काफी दुखी थे, मगर कोई उसका विरोध करने का साहस नहीं करता था क्योंकि उसका मित्र जरासंध एक शक्तिशाली राजा था। कंस को श्राप मिला हुआ था कि उसकी बहन के आठवें बच्चे के हाथों उसका वध होगा। जब उसे इस बात का पता चला, तो उसने देवकी और वासुदेव को जेल में डाल दिया। वह गिनती करके सिर्फ आठवें बच्चे को मार सकता था मगर वह कोई खतरा नहीं उठाना चाहता था। जिस दिन पहले बच्चे का जन्म हुआ, कंस ने जेल में जाकर नवजात शिशु को पैरों से उठाया और फर्श पर पटक दिया। उसकी मां भय और दुख से हक्की-बक्की रह गई, मगर जेल में कैद होने के कारण वे कुछ नहीं कर सकते थे। अगले बच्चे का जन्म हुआ, कंस ने फिर से आकर उसे पटक कर मार डाला। इसके विस्तार में मैं नहीं जाऊंगा। उसके बाद वासुदेव और देवकी ने यह सुनिश्चित किया कि सातवां बच्चा बलराम, वासुदेव की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में चला जाए , जो नदी के दूसरी ओर गोकुल में रहती थी।

भगवान कृष्ण का अवतरण

फिर आठवें बच्चे कृष्ण का जन्म होना था। वे इस बच्चे को बचाने के लिए पूरी तरह संकल्पित थे, सिर्फबच्चे के लिए नहीं बल्कि इसलिए भी कि वे कंस के अत्याचार को समाप्त करना चाहते थे। उन्होंने तंत्र विद्या से जेल के रक्षकों को सुला दिया। गोपों के मुखिया नंद और उनकी पत्नी यशोदा नदी के उस पार रहते थे। यशोदा ने अभी-अभी एक बच्ची को जन्म दिया था। वासुदेव ने नवजात कृष्ण को नंद और यशोदा को सौंप दिया और उस नवजात बच्ची को अपने साथ जेल में ले गए। सुबह जब कंस जेल में आया तो लडकी को देखकर हैरान रह गया क्योंकि आठवां बच्चा लडका होना चाहिए था, जो उसे मारता। मगर फिर भी कंस अपने जीवन पर कोई खतरा नहीं चाहता था। कौन जाने लडकी कब लडके में बदल जाए।

वह उसे उठाने ही वाला था कि देवकी ने उससे प्रार्थना की, 'देखो, यह तो एक लडकी है। यह तुम्हें नहीं मार सकती। इसकी शादी हो जाएगी और यह अपने घर चली जाएगी। कृपया इसका जीवन बख्श दो।' कंस ने कहा, 'ऐसा हरगिज नहीं हो सकता। मैं कोई खतरा क्यों मोल लूं' वह लडकी को उठाकर उसे पटकने ही वाला था, मगर वह नीचे नहीं गिरी।

गजानन की जिह्वा देती है यह सीख

गजानन रूप में भी हम भगवान गणेश की वंदना करते हैं। गजानन अर्थात हाथी के मुख वाला। हाथी की जीभ अन्य प्राणियों से अनोखी होती है। गणेशजी के इस रूप में वाणी का महत्व प्रतिपादित होता है। मनुष्य की उत्तम वाणी महत्व को बढाती है और दोषपूर्ण वाणी सम्मान कम करती है। हाथी की जीभ तो बाहर निकलती ही नहीं। यह तो मुख के भीतरी भाग में है। अर्थात इससे वाणी के अनर्थ का भय नहीं है और संयम की सीख है। गजा का अर्थ उन ऋषियों और योगियों से भी जुडता है जो समाधि में बैठे रहते हैं और जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति प्राप्त करते हैं। गणेश अपने इस रूप में हमें पदार्थगत वासना से उबरकर मोक्ष की राह तलाशने की सीख देते हैं। भगवान गणेश का यह रूप यह भी सीख देता है कि जिस तरह हाथी संयमित जीवन से 120 वर्ष जी सकता है मनुष्य भी नियंत्रण से लंबा और सुखी जीवन बिता सकता है।

इस तरह के उपाय से घर में हो रहे कलह-कलेश को दूर कर सुख-शांति पा सकते हैं

जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। दाम्पत्य जीवन सुखी हो ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। शुक्ल पक्ष में पडने वाले किसी शुक्रवार के दिन पत्नी अपने हाथों से प्रेम पूर्वक साबूदाने की खीर बनाएं लेकिन उसमें शक्कर के स्थान पर मिश्री डालें। इस खीर को सबसे पहले भगवान को अर्पित करें और इसके बाद पति-पत्नी थोडी-थोडी एक-दूसरे को खिलाएं। भगवान से सुखमय दाम्पत्य की कामना करें। इस दिन किसी लक्ष्मी मंदिर में जाकर इत्र का दान करें। अपने शयनकक्ष में इत्र कदापि न रखें। कुछ दिनों तक यह प्रयोग करते रहें । कुछ ही दिनों में दाम्पत्य जीवन सुखी हो जाएगा। बरगद(बड) के पत्ते को गुरु पुष्य या रवि पुष्य योग में लाकर उस पर हल्दी से स्वस्तिक बनाकर घर में रखें। घर के मुख्य द्वार के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा अथवा चित्र इस प्रकार लगाएं कि उनका मुख घर के अंदर की ओर रहे। उस पर सुबह दूर्वा अवश्य अर्पित करें।

धन संबंधी कार्य सोमवार एवं बुधवार को करें। नए कार्य, व्यवसाय, नौकरी, रोजगार आदि शुभ कार्यों के लिए जाते समय घर की कोई महिला एक मुट्ठी काले उडद उस व्यक्ति के ऊपर से उतार कर भूमि पर छोड दे तो हर कार्य में सफलता मिलेगी। गरीब, असहाय, रोगी व किन्नरों की सहायता दान स्वरूप अवश्य करें। यदि संभव हो तो किन्नरों को दिए पैसे में से एक सिक्का वापस लेकर अपने कैश बॉक्स या लॉकर में रखें। इससे लाभ होगा। काली हल्दी की एक गांठ शुभ मुहूर्त में प्राप्त कर अपने घर में, व्यवसायी अपने कैश बॉक्स में तथा व्यापारी अपने गल्ले में रखें। रवि पुष्य नक्षत्र के शुभ मुहूर्त में बहेडे की जड या एक पत्ता तथा शंखपुष्पी की जड लाकर घर में रखें। चांदी की डिब्बी में रखें तो और भी शुभ रहेगा।

टोटके करते समय इनका ध्यान रखें-

दिशा-निर्देश- सम्मोहन सिद्धि, देव कृपा प्राप्ति अथवा अन्य शुभ एवं सात्विक कार्यों की सिद्धि के लिए पूर्व दिशा की ओर मुख करके टोटके किए जाते हैं। मान-सम्मान, प्रतिष्ठा व लक्ष्मी प्राप्ति के लिए किए जाने वाले टोटकों के लिए पश्चिम दिशा की ओर मुख करके बैठना शुभ होता है। उत्तर दिशा की ओर मुख करके उन टोटकों को किया जाता है जिनका उदेश्य रोगों की चिकित्सा, मानसिक शांति एवं आरोग्य प्राप्ति होता है।

रोग मुक्ति के लिए किए जाने वाले टोटकों के लिए मंगलवार एवं श्रावण मास उत्तम समय है। मां सरस्वती की प्रसन्नता व शिक्षा में सफलता के लिए बुधवार एवं गुरुवार तथा माघ, फाल्गुन और चैत्र मास में टोटका करना चाहिए। संतान और वैभव पाने के लिए गुरुवार तथा आश्विन, कार्तिक एवं मार्गशीर्ष मास में टोटकों का प्रयोग करना चाहिए।

अर्धनारीश्वर है मां सिद्धिदात्री का स्वरूप

मां सिद्धिदात्री मां का नवां स्वरूप हैं। नवरात्रि के नौंवे दिन मां के इस स्वरूप की पूजा की जाती है। मां सिद्धिदात्री देवी की आराधना करनेसे आपकी योग्यता और शक्ति में बढोतरी होती है। मां का यह स्वरूप अर्धनारीश्वर के रूप में भी विख्यात है।

पूजन विधि कंडे (गाय के गोबर के उपले) जलाकर उसमें घी, हवन सामग्री, बताशा, लौंग का जोडा, पान, सुपारी, कपूर, गूगल, इलायची, किसमिस, कमलगट्टा अर्पित करें। नवरात्र के नौंवे दिन हवन में मां सिद्धिदात्री की इन मंत्रों के उच्चारण के साथ पूजा करें।

मां सिद्धिदात्री का स्वरूप

सिद्धिदात्री के चार हाथ हैं। एक हाथ में उन्होंने चक्र धारण किया हुआ है और दूसरे हाथ में गदा है। तीसरे हाथ में शंख है तो चौथे हाथ में कमल का फूल लिए हुए हैं। मां सिद्धिदात्री कमल के फूल पर आसीन हैं। इनका वाहन सिंह है। ऐसा माना जाता है की मां का यह स्वरुप भक्त की 26 अलग-अलग मनोकामनाओं को पूरा कर सकता है। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार मां सिद्धिदात्री की पूजा से अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व जैसी आठ सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। ब्रम्हावैवर्त पुराण के श्रीकृष्ण जन्मखंड के अनुसार मां सिद्धिदात्री की पूजा से 18 तरह की सिद्धियों का आशीर्वाद पाया जा सकता है। देव, दानव, गन्धर्व, किन्नर, मानव, यक्ष, सभी मां सिद्धिदात्री की आराधना करके आशीर्वाद पाते हैं।

नौंवे दिन हवन में मां सिद्धिदात्री के इस मंत्र का उच्चारण करें -

ऊँ ह्रीं स: सिद्धिदात्र्यै नम: ।।

भक्त की 26 अलग मनोकामनाओं को पूरा करती हैं मां

मां की आराधना से मिलती हैं सिद्धियां

भगवान शिव ने भी इन्हीं देवी की कृपा से यह तमाम सिद्धियां प्राप्त की थीं। इस देवी की कृपा से ही शिवजी का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण शिव अर्द्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए। विधि-विधान से नौंवे दिन इस देवी की उपासना करने से सिद्धियां प्राप्त होती हैं। यह अंतिम देवी हैं। इनकी साधना करने से लौकिक और परलौकिक सभी प्रकार की कामनाओं की पूर्ति हो जाती है।

वास्तु विज्ञान भारत का अत्यंत प्राचीन ज्ञान है

सब सही होते हुए भी कभी कभी हमें परेशानियों का सामना करना पडता है, ऐसा क्यों क्या ये सब कहीं वास्तु दोष के कारण तो नहीं है । इस संसार में हर व्यक्ति चाहता है कि वह जीवन में खूब सफलता प्राप्त करें । उसे धन, यश, ऐश्वर्य, प्रसन्नता, अच्छा परिवार, अच्छा स्वास्थ्य सभी कुछ प्राप्त हो, इसके लिए वह दिन रात मेहनत करता है, सदैव प्रयत्नशील रहता है लेकिन फिर भी सभी को उपरोक्त सुख सुविधाओं की प्राप्ति नहीं ही होती है । कई बार जब बहुत जी तोड मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिलती है, जीवन में अस्थिरता रहती है या कोई ना कोई परेशानी लगी ही रहती है तो व्यक्ति निराश होने लगता है । लेकिन इसका कारण उसके भवन, कार्यालय स्थल का वास्तु दोष हो सकता है । जी हाँ, जिस जगह हम अपने जीवन का अधिकांश, महत्वपूर्ण समय बिताते है अगर उसी में दोष है तो लाख चाह कर भी, बहुत प्रयास के बाद भी हमें अपने परिश्रम का श्रेष्ठ परिणाम मिलने में आशंका बनी रहती है ।

पहले समय में भवन की आयु न्यूनतम 100 वर्ष मानी जाती थी । भवन के स्वामी के पुत्र पौत्र आदि उसमे मिलकर लम्बे समय तक निवास करते थे , उस भवन के साथ लोगो की बहुत सी यादें जुडी होती थी और कोई भी व्यक्ति चाहे जितना भी संकट में क्यों ना हो वह उसको बेचने के बारे में सोचता भी नहीं था परन्तु यह बहुत ही खेद का विषय है कि आज वास्तु / ज्योतिष के अनुसार भवन की आयु घट कर लगभग 40 वर्ष ही रह गयी है । इन सबका एक प्रमुख कारण वास्तु के नियमो की पूर्णतया अवहेलना करना है । यदि हमारा भवन वास्तु के अनुरूप है तो वहाँ पर ना केवल परस्पर प्रेम, हर्ष, उल्लास और निरोगिता ही रहेगी वरन वहाँ के निवासियों केविद्धवान, संस्कारी होने की भी बहुत सम्भावना बड जाती है। उन्हें जीवन में धन यश और सफलता की भी आसानी से प्राप्ति होती है । यह ब्रहमाण्ड और हम सभी मनुष्य पंच तत्व से बने है। इन पंच तत्वों जल, पृथ्वी, वायु, अग्नि और आकाश का इस पूरी सृष्टि, समस्त जीवों पर गहन प्रभाव है। अगर इनका संतुलन बिगडा रहता है तो जीवन में सदैव परेशानियाँ बनी ही रहती है । लेकिन वास्तु द्वारा इन्ही पंच तत्वों जल, पृथ्वी, वायु, अग्नि और आकाश के बीच की परस्पर क्रिया को ध्यान में रखकर इस प्रकृति के साथ संतुलन बनाते हुए निश्चय ही श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किये जा सकते है ।

वास्तु विज्ञान भारत का अत्यंत प्राचीन ज्ञान है जिसकी हमारे ऋषि मुनियों ने अपने अथक प्रयास से मानव जीवन को सुगम बनाने के लिए रचना की है। वास्तु 'वस' शब्द से बना है जिसका अर्थ है वास करना । वास्तु का संस्कृत में अर्थ है मनुष्य एवं देवताओं का निवास स्थान । वास्तु केवल भवन निर्माण कला ही नहीं है वरन वास्तु में सम्पूर्ण देश, राज्य, नगर, भवन, हमारे बैठने ,सोने, खाना बनाने, भण्डारण, पूजा स्थल, स्नानघर आदि एवं निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सभी सामग्रियाँ आती है । इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण है कि वास्तु के सिद्धांतों का पालन करके बनाये गए निर्माणों में धन यश एवं मनवांछित सफलता की अल्प प्रयासों से ही प्राप्ति हो जाती है। भारतीय शास्त्रों में प्रत्येक छोटे बडे स्थान के देवता के रूप में वास्तुपुरुष को मान्यता दी गयी है । किसी भी भवन के निर्माण के समय वास्तु पुरुष की पूजा अनिवार्य मानी जाती है जिससे भवन के निवासियों को जीवन में सभी तरह के सुखों के साथ साथ धर्म, अर्थ,काम और मोक्ष की प्राप्ति हो। प्रत्येक भवन में वास्तुपुरुष का अस्तित्वं माना जाता है । वास्तुपुरुष भवन में अपने हाथ पैरों को एक विशेष समय में मोडकर उलटे लेते रहते है । भवन में वास्तु पुरुष का सर ईशान कोण एवं उनके पैर नैत्रत्य कोण में माने जाते है।

वास्तु दोष :- अगर आपके भवन में रहने वाले लोग बार बार बीमार पडते है, उस भवन में रहने वालो के बीच आये दिन कलह रहती है, पर्याप्त मेहनत के बावजूद भी धन की कमी रहती है, अनावश्यक खर्चो का सामना करना पडता है, बनते हुए कार्यों में अडचने आ जाती है, संतान मनमाना कार्य करती है, भवन में रहने वाले तनाव में रहते है।

भवन में भय लगना है, रात में बुरे बुरे सपने आते है, भवन के आसपास या चमगादड नजर आते है तो आपके भवन में वास्तु दोष हो सकता है इसका तुरंत उपाय करें अन्यथा शायद जीवन भर पछताने के सिवाय कुछ भी हाथ ना लगे ।

नानक की योग्यता देखकर उनके गुरु भी थे हैरान

पंजाब का एक छोटा सा शहर तलवंडी में कालूराय बेदी की पत्नी तृप्ता देवी के गर्भ से एक शिशु का जन्म हुआ। यह शिशु बालक था, जिसने बडे होकर अपना समूचा जीवन धार्मिक कट्टरता और धर्म के नाम पर होने वाले अत्याचारों और अनाचारों का विनाश करने के लिए समर्पित कर दिया। कालूराय बेदी तलवंडी के शासक राय दुलार के प्रधान पटवारी थे। साथ ही अत्यधिक विश्वासपात्र भी। उनका घर धन-धान्य से भरा हुआ था। इसलिए शिशु का जन्मोत्सव बहुत धूम-धाम से मनाया गया। तृप्ता देवी ने पुत्री नानकी के जन्म के बाद एक पुत्र को जन्म दिया था। पुत्री का नाम नानकी इसलिए रखा गया क्यों कि उसका अधिक समय ननिहाल में ही गुजरा था। इसलिए बालक को बहिन के नाम का पर्याय देते हुए नानक के रूप में बुलाया जाने लगा।

बचपन से ही नानक में विलक्षण प्रतिभाएं देखने के मिलने लगीं थीं। वह किसी भी पेड के नीचे बैठकर 'सत करतार' का जप किया करते थे। पांच वर्ष की उम्र में ही उनकी पढाई शुरु हो गई। उनके पहले गुरु बने पंडित गोपाल के पास जाने लगे। वह इतने कुशाग्र बुद्धि के थे कि कुछ दिनों में ही पं.गोपाल मान गए कि वह जितने पढे लिखे हैं उससे कहीं अधिक ज्ञान नानक जी को है। इसके बाद नानक जी की फारसी शिक्षा शुरू हुई। उनको फारसी की शिक्षा देने के लिए मौलवी कुतबुद्दीन के पास भेज दिया गया। लेकिन मौलवी ने कुछ दिनों बाद कालूराय जी को बताया कि यह बालक फारसी का विद्वान है। नानक की योग्यता देखकर उनके दोनों गुरु ही हैरान थे।

हड्डियां व दांत बनाए मजबूत

दूध में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बेहद आवश्यक होता है। सिर्फ बढ़ते बच्चों के लिए ही कैल्शियम जरूरी नहीं होता, बल्कि वयस्कों को भी अपनी हड्डियां मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम की जरूरत होती है। इससे वे ऑस्टियोपोरोसिस से बचे रहते हैं। दूध दांतों के लिए भी फायदेमंद होता है। यह दांतों की सड़न और कैविटी से बचाए रखने में मदद करता है।

डेस्क जॉब करने वाले जरुर करें ये काम

डेस्क जॉब करने वालों को कई सारी बीमारियां एक साथ लगती हैं। अगर आप घंटो अपनी कुर्सी से चिपके रहेंगे तो आपको दिल की बीमारी, मोटापा, पीठ दर्द, स्लिप डिस्क या अन्य बीमारी होने का खतरा हो सकता है। अगर आप अपने दिन का 8-9 घंटा ऑफिस में ही काटते हैं तो आप ऑफिस में ही कुछ कुछ देर पर उठ कर टहल लें या सीट पर बैठ कर ही स्ट्रेचिंग कर लें तो भी आपको काफी लाभ मिलेगा।

रोज खाना चाहिए केला?

जब आपको टाइप-2 डायबिटीज होता है तो आपका शरीर उचित मात्रा में इन्सुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता जिसके कारण रक्त में से ग्लूकोज खींच लिया जाता है ताकि कोशिकाओं में उसे एकत्रित करके रखा जा सके। इसके परिणामस्वरूप आपके शरीर में शुगर (शर्करा) का स्तर बढ़ता या घटता रहता है। इसका अर्थ यह है कि आपके शरीर में शुगर के स्तर को नियमित करने में आहार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिक ग्लाइसिमिक युक्त आहार लेने से शुगर का स्तर एकदम बढ़ जाता है तथा शुगर के तुरंत बर्न होने के बाद अचानक कम हो जाता है।

केले में क्या होता है?

केला फाइबर का समृद्ध स्त्रोत होने के अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन बी6 और पौटेशियम भी मौजूद रहता है जिसके कारण इसे आहार में शामिल करना अच्छा माना जाता है। जहां बी6 आपके मूड को अच्छा रखता है वहीं विटामिन सी आपके प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाता है, पौटेशियम आपके ब्लडप्रेशर को नियमित रखता है तथा फाइबर के कारण आपको पेट काफी समय तक भरा हुआ महसूस होता है। एक अध्ययन से यह भी पता चला है कि केले में उपस्थित स्टार्च (24 ग्राम प्रतिदिन) इन्सुलिन की संवेदनशीलता को बढ़ने में सहायक होता है तथा टाइप-2 डायबिटीज में वजन कम करने में सहायक होता है। डायबिटीज के रोगियों को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि केले में कार्बोहाइड्रेट भी होते हैं तथा आपके आहार में इसे शामिल करते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।

डायबिटीज रोगी खा सकते हैं केले

अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन ने डायबिटिक लोगों को (डायबिटीज के मरीजों को) केला खाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उनके अनुसार केला एक स्वस्थ आहार है जिसका सेवन करना पूर्णतया उचित है। वास्तव में एक अध्ययन से पता चला है कि यदि आप टाइप-2 के डायबिटीज को दूर करना चाहते हैं तो केला सबसे उत्तम फल है।

कच्चे केले या पके हुए केले

जैसे जैसे केला पकता है उसमें उपस्थित स्टार्च, शुगर (शर्करा) में बदलने लगता है। जब आप पूर्ण रूप से पका हुआ केला खाते हैं तो आप ऐसे फल का सेवन करते हैं जिसमें लगभग 90 प्रतिशत स्टार्च होता है। यही कारण है कि शोधकर्ता कहते हैं कि कच्चा केला कम ग्लायसिमिक प्रतिक्रिया देता है। अतः पके हुए केले की तुलना में कच्चा केला अधिक श्रेष्ठ है।

प्रतिदिन कितने केले खाएं?

आप प्रतिदिन एक केले का सेवन कर सकते हैं। आपको अपने आहार की मात्रा पर ध्यान देना आवश्यक है। जब केले की बात आती है तो अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन आपको यह बताना चाहता है कि कितनी मात्रा का सेवन किया जा सकता है। उनके अनुमानों के अनुसार केले के आकार के अनुसार उसके कार्बोहाइड्रेट घटक में परिवर्तन होता है। उदाहरण के लिए एक बहुत छोटे केले (लगभग 6 इंच या उससे कम) में केवल 18.5 ग्राम कार्ब्स होता है। दूसरी ओर मध्यम आकार के (लगभग 7 से 7 7/8 इंच) केले में 27 ग्राम कार्ब्स होता है। 9 इंच या उससे अधिक ब? केले में 35 ग्राम से अधिक कार्ब्स होते हैं। प्रत्येक व्यक्ति की ग्लूकोज के प्रति प्रतिक्रियाएं अलग अलग हो सकती हैं, अतः आपके शरीर के लिए क्या सही है यह जानने के लिए आपको अपने विवेक का उपयोग करना होगा। अपने आहार की मात्रा में फल सब्जियों और केले के बीच संतुलन बनाएं। क्योंकि आहार के मामले में संयम रखना बहुत आवश्यक है और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खाना बहुत अच्छी बात है। तो यदि आप अपने आहार में सेब, अंगूर, ब्लूबेरीज को शामिल कर सकते हैं तो आप अपने शरीर में शुगर के स्तर को आसानी से संतुलित रख सकते हैं।

इसके अलावा शरीर में शुगर के स्तर एक जैसा रखने के लिए फल तथा कार्ब्स का सेवन दिन में थोड़े-थोड़े अंतराल पर करें। सही तरीके से अपनी योजना बनाएं तथा दिन में एक केले के सेवन का आनंद उठायें। इस प्रकार डायबिटीज के रोगी केला खाने से होने वाली समस्याओं से बच सकते हैं।

जिम के बाद पावरफुल बनाएंगी ये सुपर ड्रिंक्स

घर पर बने पेय पदार्थ, हेल्दी और सस्ते होते हैं जबकि मार्केट में पैकेट में बिकने वाले पेय पदार्थ में प्रीजर्वेटिव मिला होता है और इनमें सुगर की मात्रा भी बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर इनका सेवन जिम के तुरंत बाद किया जाए तो लाभ की बजाय नुकसान ही करेंगे और आपके द्वारा जितनी कैलोरी वहां कम की गई है उतनी कैलोरी आप आते ही ग्रहण कर लेंगे।

साथ ही इनमें सिंथेटिक एडीटिव्स, कलर्स और असामान्य फ्लेवर पड़े हुए होते हैं जो नुकसान करते हैं। इसलिए, अपने दिन की शुरूआत नीचे बताए जाने वाले पेय पदार्थों का सेवन करके करें।

इन पेय पदार्थों को सुबह ट्राई करें और जिम से आने के बाद खासतौर पर पिएं। इसस आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और फैट भी नहीं बढ़ेगा। फलों के रस से बनने वाले ये पेय पदार्थ आपको तंदुरूस्त बनाने में मददगार साबित होंगे। आइए जानते हैं इन चार सुपर ड्रिंक्स के बारे में

चॉकलेट ड्रिंक

चॉकलेट में प्राकृतिक रूप से कैफीन पड़ा हुआ होता है, इसीलिए इससे आने वाली महक आपको इसे पीने के लिए मजबूर कर देती है। इस ड्रिंक में सुगर मिलाने की जरूरत नहीं होती है इसमें फलों की सुगर ही बनी रहती है। इसकी ठंडक भरी महक आपको तरोताजा कर देगी।

व्हीटग्रास और बनाना ड्रिंक

व्हीटग्रास को कई सालों से स्वास्थ्यवर्धक ड्रिंक माना जाता है क्योंकि इससे शरीर को बहुत ऊर्जा मिलती है। अगर इसे पके हुए केले के साथ फेंट लें और तब पिएं तो यह ज्यादा लाभ देगा। गुणों से भरा गेहूं के जवारे का पाउडर

गाजर और संतरे का ड्रिंक

अगर आप अपनी सुबह ऊर्जावान बनाना चाहते हैं तो गाजर और संतरे का जूस निकाल कर पिएं। इस पेय पदार्थ में विटामिन सी, ई की भरमार होगी। इससे आपको पूरे दिन शक्ति महसूस होगी। साथ ही आपको थकान भी नहीं होगी।

मेपल सिरप पिएं

मेपल सिरप पीने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और आपके शरीर में सुगर की मात्रा भी नहीं बढ़ती है। इस पेय पदार्थ में सोडियम भी होता है

और अगर आपका रक्तचाप ज्यादा रहता है तो इसे न पिएं।

ये पेय पदार्थ न सिर्फ आपके शरीर को ताकत देते हैं बल्कि डिटॉक्सीफिकेशन की प्रक्रिया में भी सहायक होते हैं। अगर आपको इन ड्रिंक्स का स्वाद थोड़ा कम अच्छा लगे तो इसमें अदरक को भी मिलाया जा सकता है। इन्हें पीकर आप सारा एनर्जीफुल फील कर सकते हैं और अच्छे से काम कर सकते हैं। बस इन ड्रिंक्स को एक कप पीने मात्र से शरीर में ऊर्जा का संचार हो जाता है।

त्वचा पर स्ट्रॉबेरी और दही लगाने के फायदे

स्ट्रॉबेरी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक फल है तथा दही एक प्राकृतिक घटक है जो स्वास्थ्य पर आश्चर्यजनक परिणाम दर्शाता है। क्या आप जानते हैं कि स्ट्रॉबेरी तथा दही दोनों में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो आपकी त्वचा की रंगत को प्राकृतिक तरीके से निखारते हैं? जब इन दोनों घटकों को आपस में मिलाया जाता है तो त्वचा को मिलने वाले फायदे भी दोगुने हो जाते हैं। आपको सिर्फ इतना करना है कि कुछ ताजा कटी हुई स्ट्रॉबेरीज लें तथा इन्हें ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट बनाएं। अब स्ट्रॉबेरी के इस पेस्ट में 2 टेबलस्पून दही मिलाएं। दोनों को अच्छे से मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। स्ट्रॉबेरी और दही के इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। इसे 20 मिनिट लगा रहने दें तथा बाद में फेस वॉश से चेहरा धो डालें। स्ट्रॉबेरी और दही के मिश्रण से बने फेस पैक से होने वाले अन्य लाभों के बारे में जानें।

एंटी ऐजिंग प्रभावः स्ट्रॉबेरी और दही के मिश्रण में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो आपकी त्वचा की कोशिकाओं को पोषण प्रदान करता है तथा कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाता है जिससे झुर्रियां तथा फाइन लाइंस दूर होती है।

मधुमेह में फायदेमंद है अमरूद का सेवन

मधुमेह ऐसी बीमारी है जो एक बार होने पर जीवनभर साथ निभाती है। मधुमेह पर नियंत्रण के लिए खानपान पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। मधुमेह रोगियों को ऐसे आहार का सेवन करना चाहिए जिससे उनका ब्लड ग्लूकोज का स्तर न बढ़े।

मधुमेह रोगियों को अमरूद खाने की सलाह दी जाती है। अमरूद में प्रोटीन 10.5 प्रतिशत, वसा 0.2 कैल्शियम 1.01 प्रतिशत बी 0.2 प्रतिशत पाया जाता है। ये फल मीठा होते हुए भी मधुमेह को नियंत्रित रखता है। मधुमेह के रोगियों को इस फल का सेवन करना चाहिए। इसके बारे में हम आपको विस्तार से बता रहे हैं।

कैसे करें अमरूद का सेवन

हर सीजन में मिलने वाला अमरूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। खासकर मधुमेह के रोगियों के लिए यह वरदान की तरह है। इसको कई तरह से खाया जा सकता है। डायबिटीज के रोगी के लिए एक पके हुए अमरूद को आग में डालकर उसे भूनकर निकाल लें और भुने हुई अमरुद को छीलकर साफ करके उसे अच्छे से मैश करके उसका भरता बना लें, उसमें स्वादानुसार नमक, कालीमिर्च, जीरा मिलाकर खाएं, इससे डायबिटीज में काफी लाभ होता है।

ताजे अमरूद के 100 ग्राम बीजरहित टुकड़े लेकर उसे ठंडे पानी में 4 घंटे भीगने दीजिए। इसके बाद अमरूद के टुकड़े निकालकर फेंक दें। इस पानी को मधुमेह के रोगी को पिलाने से लाभ होता है।अमरूद तो फायदेमंद होता ही हैं लेकिन इसका जूस भी गुणकारी होता हैं। घर पर बनाए गए जूस में स्वाद और गुण दोनों ही बरकरार रहते हैं । जूस में मिनरल्स और न्यूट्रीएंट्स की मात्रा अधिक होती हैं ।

अमरूद पोषक तत्वों की खान है, लेकिन एक स्वस्थ व्यक्ति को दिन में दो अमरूद से ज्यादा खाने से बचना चाहिए। पचने में दिक्कत होने के कारण अगर हो सके तो इसके बीज निकाल कर खाएं। इससे पेट दर्द की आशंका नहीं रहती।

अमरूद में विटामिन ए और विटामिन सी के अलावा फाइबर भी होता है। अमरूद पत्ती से बनी चाय में एल्फा-ग्लूकोसाइडिस एंजाइम गतिविधि को कम कर मधुमेह रोगियों में प्रभावी रूप से रक्त शर्करा को कम करती है। इसके अलावा यह सुक्रोज और माल्टोज को सोखने से शरीर को रोकती है जिससे शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है। अमरूद की पत्ती से बनी चाय 12 सप्ताह पीने से इंसुलिन के उत्पादन में वृद्धि के बिना रक्त में शर्करा के स्तर को कम कर सकते हैं। फाइबर से धनी अमरूद शरीर में मीठे की खपत को धीमा करता है। नियमित सेवन टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को कम करने में मदद करता है। अमरूद का प्रभाव अग्नाशय पर भी अच्छा असर डालता है जिस कारण मधुमेह के रोगियों के लिए पके अमरूद का नियमित सेवन बहुत ही लाभदायक सिद्ध होता है।

मधुमेह को नियंत्रित करता है अमरूद

चॉकलेट देती है तनाव और थकान से तुरंत राहत

जो लोग मुंह मीठा करने के लिए चॉकलेट खाते हैं, उन्हें यह जान कर हैरत होगी कि चॉकलेट का प्रारंभिक नाम बिटर वॉटर यानी कड़वा पानी रखा गया था। दक्षिण अमेरिका में थियोब्रोमा कोकोआ पेड़ से चॉकलेट उत्पादन किया जाता था। चॉकलेट का प्रारंभिक उल्लेख 1100 बीसी में देखने को मिलता है।

उस वक्त चॉकलेट एजटेक्ट बेवरेज को शाही बनाने के लिए चॉकलेट का इस्तेमाल प्रमुख रूप से किया जाता है। कोकोआ पेड़ का बीज मूलतः कड़वा होता है, जिसमें खमीर उठाया जाता है, सुखाया जाता है और फिर उसे भूना जाता है। कोकोआ पाने के लिए उसकी परत को हटाया जाता है। इस प्रक्रिया तक चॉकलेट कच्चे माल के रूप में होती है।

जिसे आज हम चॉकलेट कहते हैं, वह मीठी होती है, जिसमें कोकोआ सॉलिड, बटर और अन्य वसा व चीनी मिलाई जाती है। चॉकलेट का इस्तेमाल कई तरह के पेय पदार्थ बनाने में भी किया जाता है। खासतौर पर बेवरेजेस में, जिसमें मेक्सिको शराब भी शामिल है। फल व मेवा के साथ मिलाकर चॉकलेट को सीधे ही खाया भी जाता है। केक और डेजर्ट में भी इसका खूब इस्तेमाल किया जाता है। जहां चॉकलेट की शुरुआत हुई, उस सेंटर अमेरिका में चॉकलेट का इस्तेमाल चिकन और मीट में भी किया जाता है।

रेसिपी

ब्लॉक बीन डिप

सामग्री

1/2 कप ब्लॅक बीन्स , रातभर भिगोए और छाने हुए, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 2 टी-स्पून नींबू का रस, 1 टेबल-स्पून सूखी लाल मिर्च के फ्लैक्स, 1 टी-स्पून सूखे मिले-जुले हर्बस, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** नाचो चिप्स

विधि

ब्लॅक बीन्स, नमक और 21/2 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में अच्छी तरह मिला लें और 5 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। अच्छी तरह छानकर, ब्लॅक बीन्स् को एक गहरे बाउल मे निकाल लें। बची हुई सभी सामग्री डालकर, आलू मैशर का प्रयोग कर दरदरे मिश्रण में मसल लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज मे रखकर, चिप्स् के साथ ठंडा परोसें।

चीज़ी नूडल कटलेट

सामग्री

1/2 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज, 1 कप उबले हुए नूडल्स, 1/2 कप उबले और क्रश किए हुए मीठी मकई के दानें, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरी प्याज का सफेद भाग, 1/4 कप बारीक कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक और ताज़ी पिसी काली मिर्च , स्वादअनुसार, **रोल करने के लिए:** ब्रेड क्रम्बस, **तलने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के 75 मिमी (3) आकार के चपटे, गोल कटलेट बना लें। प्रत्येक कटलेट को ब्रेड क्रम्बस् में अच्छी तरह से सभी तरफ से लपेट लें। एक कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े कटलेट डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

एक थोपे युद्ध के 100 दिन

ईरान युद्ध के 100 दिन बीत चुके हैं। अब यह अनचाहा युद्ध बनता जा रहा है। न तो अमरीका जीत का दावा कर सकता है और न ही ईरान को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया जा सका है। उसके भी विनाशक पलटवार जारी हैं। यह ऐसा युद्ध है, जिससे अमरीका और ईरान अब बाहर निकलना और एक साझा समझौता करना चाहते हैं, लेकिन जिद और महत्वाकांक्षाएं रोड़े अटका रही हैं। यह ऐसा युद्ध है, जिसने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को हिला कर रख दिया है, महामंदी के आकलन किए जा रहे हैं, 146 देशों में तेल-गैस-खाद के संकट गहराते जा रहे हैं और समुद्री सप्लाई चेन का एक महत्वपूर्ण मार्ग लगभग बंद है। नतीजतन विश्व आर्थिकी को 474 लाख करोड़ रुपए की चोट लग चुकी है। यह विभिन्न एजेंसियों के आकलन के निष्कर्ष हैं। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने चेताया है कि यदि ऊर्जा-बाधा और संकट जारी रहे, तो वैश्विक जीडीपी और रोजगार को गंभीर झटके लगेंगे। विश्व बैंक और आईएमएफ के आकलन पहले ही सामने आ चुके हैं कि वैश्विक जीडीपी की विकास दर 2 फीसदी तक लुढ़क सकती है। बीते 80 साल में, लगभग द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यह पहला युद्ध है, जिसमें 14 देश प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जुड़े हैं। यह युद्ध ऐसा रहा है, जिसमें ईरान के सुप्रीम लीडर की हत्या कर दी गई। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पहली बार बंद हुआ है। खामेनेई समेत करीब 50 लाख के ऐप हैक किए जा चुके हैं। युद्ध में करीब 7000 लोग मारे जा चुके हैं और करीब 55,000 घायल बताए गए हैं। ईरान के करीब 32 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। लेबनान में 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित बताए गए हैं। ऐसा नहीं है कि अमरीका और इजरायल के नुकसान नहीं हुए हैं। अमरीका के सैन्य खर्च, महंगाई और अप्रत्यक्ष प्रभाव आदि पर 100 लाख करोड़ रुपए से अधिक की चपत लग चुकी है। आज अमरीका पर 39 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है, जबकि उसकी कुल अर्थव्यवस्था 32 ट्रिलियन डॉलर से कुछ अधिक की है। ईरान के जीडीपी और बुनियादी ढांचे को लेकर 28.5 लाख करोड़ रुपए और खाड़ी देशों को ऊर्जा-ढांचों को ध्वस्त करने या जला देने के कारण 5.54 लाख करोड़ रुपए के नुकसान आंके गए हैं। वैश्विक जीडीपी पर 339 लाख करोड़ रुपए का भारी नुकसान माना जा रहा है। इन नुकसानों और विपरीत, ढहती आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद और 100 दिनों के टकराव, तनाव के बाद भी युद्ध खत्म होने के आसार दिख नहीं रहे हैं। बेशक बीते 60 दिनों से युद्धविराम का ढोंग किया जा रहा है, लेकिन युद्ध रुक-रुक कर जारी रहा है। मिसाइल, ड्रोन के हमले जारी हैं, हवाई हमले भी किए जा रहे हैं, कहीं विस्फोट है, तो कहीं आग की ऊंची-ऊंची लपटों के साथ धुएं के गहरे गुबार हैं। यदि यह अनचाहा, थोपा हुआ, युद्ध महसूस किया जा रहा है, तो समझौते में किसके अहंकार आड़े आ रहे हैं? भारत पर ईरान युद्ध के प्रभावों को लेकर हम विश्लेषण करते रहे हैं, लेकिन अब आम आदमी और रसोई गैस के संदर्भ में विश्लेषण करें, तो कई दरारें सामने आ रही हैं। भारत में रसोई की एलपीजी के उपभोक्ता करीब 33 करोड़ हैं। 'उज्ज्वला योजना' के 10.58 करोड़ लाभार्थी हैं। जब से एलपीजी का संकट पैदा हुआ है और लगातार उसके दाम बढ़ाए जा रहे हैं, तब से एलपीजी की खपत 30 फीसदी कम हो गई है। लोग इंडक्शन चूल्हे पर आ गए हैं या लकड़ी-कोयला जला कर रसोई का चूल्हा जिंदा रखे हैं। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य मंत्रियों ने बयान जारी रखे हैं कि भारत में अन्य देशों की तुलना में गैस सस्ती दी जा रही है। ये तुलनाएं ही गलत हैं। अमरीका की प्रति व्यक्ति आय 90 लाख रुपए से अधिक है, ऑस्ट्रेलिया की यह आय करीब 72 लाख रुपए है, जापान की आय भी हमसे कई गुना ज्यादा है और भारत की प्रति व्यक्ति आय करीब 2.35 लाख रुपए है। इन देशों से तुलना कैसे कर सकते हैं? यह तुलना क्रय-शक्ति के आधार पर की जाती है, जिसमें भारत का उपभोक्ता 10 किलो एलपीजी खरीदने का सामर्थ्य रखता है, तो अमरीकी 200 किलो गैस खरीद सकता है। और अब तो एलपीजी की राशनिंग भी शुरू हो गई है। सरकार महंगाई के साथ औसत कमाई भी देखे। अमरीका-इजरायल बनाम ईरान युद्ध से कई देश बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस के दाम बढ़ने से अन्य उपभोक्ता वस्तुएं भी महंगी मिलने लगी हैं। दुखद यह है कि आम आदमी की कमाई में कोई इजाफा नहीं हुआ है। इसलिए इस लड़ाई को रोकना जरूरी हो गया है।

अमरीका जीत का दावा कर सकता है और न ही ईरान को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया जा सका है। उसके भी विनाशक पलटवार जारी हैं। यह ऐसा युद्ध है, जिससे अमरीका और ईरान अब बाहर निकलना और एक साझा समझौता करना चाहते हैं, लेकिन जिद और महत्वाकांक्षाएं रोड़े अटका रही हैं। यह ऐसा युद्ध है, जिसने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को हिला कर रख दिया है, महामंदी के आकलन किए जा रहे हैं, 146 देशों में तेल-गैस-खाद के संकट गहराते जा रहे हैं और समुद्री सप्लाई चेन का एक महत्वपूर्ण मार्ग लगभग बंद है। नतीजतन विश्व आर्थिकी को 474 लाख करोड़ रुपए की चोट लग चुकी है। यह विभिन्न एजेंसियों के आकलन के निष्कर्ष हैं। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने चेताया है कि यदि ऊर्जा-बाधा और संकट जारी रहे, तो वैश्विक जीडीपी और रोजगार को गंभीर झटके लगेंगे। विश्व बैंक और आईएमएफ के आकलन पहले ही सामने आ चुके हैं कि वैश्विक जीडीपी की विकास दर 2 फीसदी तक लुढ़क सकती है।

विश्व नेत्रदान दिवस (10 जून, 2026) पर विशेष

नेत्रदानः अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

ललित गर्ग

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है। भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें

दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ति व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती। नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चश्मा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। दृष्टिबाधिता व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और समाज की उत्पादक क्षमता भी घटती है। विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ति लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है। सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरांत नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' तथा 'लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ए-1' ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विगत कई दशकों से इन संस्थाओं द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान, नेत्रदान संकल्प-पत्र भरवाने, नेत्र चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा आई बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। लायन्स इंटरनेशनल का वैश्विक सेवा अभियान 'साइट फर्स्ट' दृष्टि संरक्षण एवं अंधत्व निवारण की दिशा में विश्व का सबसे बड़ा स्वैच्छिक कार्यक्रम माना जाता है। इस अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को नेत्र चिकित्सा सेवाएं, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दृष्टि परीक्षण तथा नेत्रदान के प्रति जागरूकता प्रदान की गई है। 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' भी इसी भावना के साथ निरंतर समाज में यह संदेश प्रसारित कर रहा है कि मृत्यु के बाद नेत्रदान करके हम किसी अंधेरी जिंदगी में स्थायी उजाला भर सकते हैं। यह सेवा केवल सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और मानवता का जीवंत उदाहरण है। नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है।

प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है।

देश दुनिया से

महिलाओं को ज्यादा झुलसाती है गर्मी की तपिश

भीषण गर्मी आज एक बहुत बड़ी स्वास्थ्य समस्या है। दुनियाभर में हर साल लगभग 490,000 लोग गर्मी से अपनी जान गंवा देते हैं। लेकिन ये आंकड़े महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी पर गर्मी के खतरनाक असर को नहीं दर्शाते। एक नए अध्ययन ने एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के उदाहरणों के हवाले से बताया है कि महिलाओं को गर्मी के हालात में सबसे ज्यादा एडजस्ट करने के लिए मजबूर किया जाता है, लेकिन जलवायु संबंधी नीतियों में उन्हें सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया जाता है। एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के कई हिस्सों में महिलाएं घर की मुख्य देखभाल करने वाली होती हैं। वे अक्सर पुरुषों के मुकाबले घर के अंदर ज्यादा समय बिताती हैं। उन्हें कम हवादार घरों में बिना इंसुलेशन या कूलिंग के रहना पड़ता है, जिससे उन्हें शारीरिक और मानसिक तनाव होता है। इससे पता चलता है कि बहुत ज्यादा गर्मी महिलाओं की सेहत को कैसे नुकसान पहुंचाती है। काम की जगहों पर लिंग के आधार पर भेदभाव भी गर्मी के संपर्क को प्रभावित करता है। एक रिसर्च से पता चलता है कि अनौपचारिक काम की जगहों पर साफ-सफाई की कमी महिलाओं को बहुत ज्यादा गर्मी के दौरान खास तौर पर परेशान करती है। कुछ महिलाएं गंदे टॉयलेट इस्तेमाल करने से बचने के लिए कम पानी पीती हैं, जिससे उनमें डिहाइड्रेशन और सेहत से जुड़ी और दूसरी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। ये छोटी-मोटी परेशानियां नहीं हैं। ये सब मिलकर महिलाओं के गर्मी के संपर्क में निरंतर इजाफा करती हैं। बहुत ज्यादा गर्मी महिलाओं की सामाजिक दुनिया को बदल देती है। हीटवेव के दौरान कई उष्णकटिबंधीय जगहों पर औरतें घर के अंदर रहती हैं, जिससे उनके सामाजिक संपर्क कम हो जाते हैं। बांग्लादेश, कंबोडिया और नेपाल में तेज गर्मी को बाल विवाह में बढ़ोतरी से जोड़ा गया है, क्योंकि मुश्किल में फंसे परिवार पैसे का तनाव कम करने और घर का खर्च कम करने के लिए अपनी बेटियों को शादी के लिए मजबूर करते हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार दुनिया के कई हिस्सों में परिवार ऐसे घरों में रहते हैं जो गर्मी को अंदर रोककर रखते हैं, जहां बिजली की भरोसेमंद सुविधा नहीं है और साफ पानी की उपलब्धता सीमित

है। बहुत से लोग आज भी चिलचिलाती धूप में बाहर काम करते हैं। जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ रहा है, इस तरह के हालात सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर संकट पैदा कर रहे हैं। 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' में छपी एक नई स्टडी में बताया गया है कि दुनिया में अरबों लोग 'कूलिंग पॉवर्टी' (ठंडक की कमी) का सामना कर रहे हैं। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि दो अरब से ज्यादा लोग ऐसी स्थिति में रहते हैं जिसे वे कूलिंग पॉवर्टी कहते हैं। यानी वे खतरनाक गर्मी का सामना करते हैं और उनके पास ठंडक पाने के सुरक्षित या सस्ते तरीके नहीं होते। ये नतीजे ऐसे समय में आए हैं जब दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में इन गर्मियों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। इतनी ज्यादा गर्मी ये जरूरी सवाल खड़े करती है कि सबसे ज्यादा खतरे में कौन है और उनकी सुरक्षा के लिए क्या किया जा सकता है। आमतौर पर लोग मान लेते हैं कि इन लोगों को बस एक एयर कंडीशनर की जरूरत है। शोधकर्ता इस सोच को बदलना चाहते हैं। यूरो-मेडिटेरेनियन सेंटर ऑन क्लाइमेट चेंज के वैज्ञानिक जियाकोमो फाल्चेटा ने कहा, कूलिंग पॉवर्टी का मतलब ऐसे हालात से है जहां लोगों को ताप सुरक्षा नहीं मिल पाती और इसकी वजह सिर्फ यह नहीं है कि उनके पास एयर कंडीशनर नहीं है। वैसे भी, एयर कंडीशनर बांटने से कोई लाभ नहीं होगा। वे बहुत ज्यादा बिजली की खपत करते हैं और कमजोर पावर ग्रिड पर बोझ डालते हैं। हम इस संकट से निपटने के लिए सिर्फ एयर कंडीशनर का सहारा नहीं ले सकते। गरीबी गर्मी के असर को और बढ़ा देती है। स्टडी से पता चलता है कि गर्मी गरीबी, खराब घरों और कमजोर सार्वजनिक सेवाओं के साथ मिलकर नुकसान पहुंचाती है। पहला खतरा तो घर ही है। कमज़ोर बनावट वाला घर आपको गर्मी से नहीं बचाता; बल्कि वह गर्मी को अंदर ही रोककर रखता है। शहरों में रहने वाले लाखों गरीब लोग टिन या एस्बेस्टस की छतों के नीचे रहते हैं, जिससे घर के अंदर का तापमान बाहर की हवा के मुकाबले पांच डिग्री तक ज्यादा हो सकता है। जब बिजली बार-बार जाती है और पानी सुरक्षित नहीं होता, तो पर्याप्त पानी पीना और शरीर को ठंडा रखना भी मुश्किल हो जाता है। दूसरा खतरा सेहत से जुड़ा है। जब भीषण गर्मी शरीर की सहनशक्ति से बाहर हो जाती है, तो जान बचाने के लिए अक्सर तुरंत मदद की जरूरत होती है। जिन देशों में क्लिनिक कम हैं या दूर हैं, वहां गर्मी से होने वाली बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। तीसरा खतरा काम से जुड़ा है। किसान, निर्माण कार्य करने वाले और सड़क किनारे सामान बेचने वाले लोग घंटों तक खुली धूप में काम करते हैं और वे किसी ठंडे कमरे में नहीं जा सकते। उनके शरीर को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि यह गर्मी ज्यादातर नमी वाली होती है, जिससे पसीना त्वचा को ठंडा नहीं कर पाता। इन मुश्किलों का असर सब पर एक जैसा नहीं होता। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और सबसे गरीब परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। अक्सर यही लोग खराब घरों में रहते हैं। उन्हें स्वास्थ्य सेवा और जानकारी नहीं मिल पाती, और खुद को बचाने के लिए उनके पास कोई अतिरिक्त साधन नहीं होता। अगर समुदायों के पास गर्मी से निपटने के साधन हों, तो इसके असर को कम किया जा सकता है। अच्छी बात यह है कि आसान और कम खर्चीले उपाय भी कारगर होते हैं। छतों को सफेद रंगने से कमरे का तापमान कई डिग्री कम हो सकता है। पुआल और मिट्टी से सस्ता इंसुलेशन (तापमान रोकने वाली परत) बनाया जा सकता है।

कुछ अलग

रात उजेरी है, छिप गए कॉकरोच

कहते हैं कि पृथ्वी पर मनुष्य सबसे बुद्धिमान प्राणी है। यह बात स्वयं मनुष्य कहता है, इसलिए इस पर संदेह करना असभ्यता माना जाता है। हालांकि पृथ्वी पर एक दूसरा जीव भी है जिसने कभी अपने बारे में कोई दावा नहीं किया, कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की, कोई सभ्यता नहीं बनाई, कोई वर्ण या ज़ात नहीं बनाई, कोई धर्म, मज़हब, रिलीजन या दीन नहीं बनाया, कोई संविधान नहीं लिखा, कोई चुनाव नहीं लड़ा, कोई राष्ट्रगान नहीं रचा, फिर भी वह मनुष्य से करोड़ों वर्ष अधिक अनुभवी निकला। देश के विभिन्न राज्यों में उसका देसी नाम है- तिलचट्टा, झौड़ु, छींगुर, झुरड़, वंचो, करप्पन पूची, बोड्डिंके, जिरले, पाट्टा या आरशोला वगैरह-वगैरह। हमारे देश में आधुनिक और शिक्षित दिखने वाले लोग उसे कॉकरोच कहते हैं ताकि सुनने में थोड़ा अंतरराष्ट्रीय लगे। इन दिनों कॉकरोचों की बड़ी चर्चा है। पहले लोग उन्हें देखकर घिन से भर जाते थे, चीखें मारते थे, डर कर भाग जाते थे, मारने के लिए चप्पल उठाते थे, हिट या बेगॉन का स्प्रे करते थे, पर अब विचारधारा उठाने लगे हैं। कुछ लोग उन्हें राष्ट्रविरोधी बता रहे हैं, कुछ व्यवस्था-विरोधी निठल्ले और कुछ लोकतंत्र का अंतिम जीवित विपक्ष। मुझे पहली बार कॉकरोचों पर दया तब आई जब कुछ बेरोजग़ार युवाओं की तुलना उनसे कर दी गई। हमेशा व्यस्त रहने वाले कॉकरोच कभी ख़ाली नहीं बैठते। यह तुलना कॉकरोचों के साथ घोर अन्याय थी। बेरोजग़ार युवक और कॉकरोच में उतना ही अंतर है जितना किसी अस्थायी संविदाकर्मी और चालीस करोड़ वर्षों से स्थायी सेवा कर रहे कर्मचारी में होता है। कॉकरोच पृथ्वी पर तब से हैं जब डायनासोर लोकतंत्र की तरह विशाल और सर्वशक्तिमान हुआ करते थे। वे तब भी जीवित रहे जब पृथ्वी पर पांच बार महाविनाश हुआ।

आप का नज़रिया

फैसलों के चुंबक

स्थानीय निकाय चुनावों के बाद हिमाचल सरकार ने अपनी प्राथमिकताओं के ताले खोलकर बता दिया कि अभी फैसलों के चुंबक आकर्षित करते हैं। विभागों में फंसी नियुक्तियां अब नए श्रृंगार में प्रस्तुत हैं, तो कई नीतिगत फैसलों की बहार आ रही है। अगर आगामी विधानसभा चुनाव का कार्यकाल गिनें, तो मंत्रिमंडलीय बैठकों में हम सरकार का आशावाद देख सकते हैं। यही आशावाद हिमाचल के फैसलों को फिर से नई धार दे रहा है, तो रुके पद और ठिगने रहे कद संवारे जा रहे हैं। तेरह सौ पदों की खेप उतार कर सरकार सबसे पहले स्वास्थ्य विभाग को सद्गति दे रही है। करुणामूलक भर्तियों में अटके 2542 मामलों को आश्वासन यह कि पुनर्विचार होगा। मल्टी टास्क वर्करों की भर्ती प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की समिति फैसला लेगी। सरकार नौकरियों के तराजू को अपने पक्ष में झुकाने के प्रयास के अलावा किसान वर्ग को विशिष्ट दर्जा देने की इच्छुक है। सरकार का कोमल हृदय कृषि ऋण ब्याज अनुदान के वादे में सामने आता, जिसके तहत उन किसानों को राहत मिलेगी जिनकी भूमि नीलामी की जद में आ गई है। करीब 6356 किसानों की ब्याज देनदारी में 50 प्रतिशत सरकार वहन करेगी। बीस बीघा से कम भूमि वाले कब्जाधारी किसानों को राहत देते हुए सरकार कब्जों को नियमित करेगी। जिनके ट्रैक्टर रेत-बजरी से भरे रहते हैं, उसे छानकर सरकार ने राहत प्रदान करने का मसाला खोजा है। खनिज परिवहन में फंसने वाले ट्रैक्टरों की कंपाउडिंग फीस 4500 से घटा कर मात्र 500 रुपए हो जाएगी। यानी खड्डों के रास्ते अब जवान हो सकते हैं या ढुलाई का पाप घट सकता है। एक बार फिर भांग की आर्थिक मांग भरी जा रही है ताकि इस क्षमता का उद्धार करके नियंत्रित खेती से चिकित्सा एवं विज्ञान की दृष्टि हमारे खेतों का सहारा बने। जंगल में चारे की तलाशी को राहत का मजमून मानते हुए अब भेड़ पालकों को डीएफओ स्तर के अधिकारी ही अनुमति देंगे। सुक्खू सरकार अपनी स्टार्ट अप योजना के चौथे चरण की व्याख्या में स्वरोजगार को परिवहन से जोड़ते हुए अनुदान की घोषणा कर रही है। यानी कोई युवा इलेक्ट्रिक बस चलाना चाहता है तो पचास प्रतिशत सब्सिडी, जबकि डीजल बस को तीस फीसदी राहत मिलेगी। प्रदेश भर में एक हजार बसों का संचालन इस योजना की धुरी से निकलेगा। मंत्रिमंडलीय बैठक कुछ खास उपहार लेकर मेलों और अस्पतालों पर मेहरबान हो रही है। अब शूलिनी मेला राष्ट्रीय स्तर का होगा, जबकि काठगढ़ का शिवरात्रि मेला राज्य स्तरीय हो रहा है। कुछ जिला स्तरीय मेलों की घोषणा भी हुई है। हिमकेयर योजना को नई नियमावली के तहत इस तरह पेश किया जा रहा है कि आइंदा यह हैल्थ इंश्योरेंस की तरह हो जाएगी। अब स्वास्थ्य बीमा कवर दस लाख तक संभव हो पाएगा। सरकाघाट तथा बद्दी के अस्पतालों का दर्जा बढ़ाते हुए इन स्थानों पर पचास-पचास बिस्तर बढ़ रहे हैं, जबकि देहरा अस्पताल के पौ बारह हो रहे हैं। अस्पताल के लिए 12 अतिरिक्त पद तथा देहरा ब्लाक चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में तीन नए पद सृजित हो रहे हैं। ऐसे में देखना यह होगा कि चिकित्सा सेवाओं की संपूर्णता में और कितने पद तथा दक्षता के हिसाब से कितने विशेषज्ञ डाक्टर सरकारी अस्पतालों पर जनता की निर्भरता को गौरव प्रदान करते हैं।

विभागों में फंसी नियुक्तियां अब नए श्रृंगार में प्रस्तुत हैं, तो कई नीतिगत फैसलों की बहार आ रही है। अगर आगामी विधानसभा चुनाव का कार्यकाल गिनें, तो मंत्रिमंडलीय बैठकों में हम सरकार का आशावाद देख सकते हैं। यही आशावाद हिमाचल के फैसलों को फिर से नई धार दे रहा है, तो रुके पद और ठिगने रहे कद संवारे जा रहे हैं। तेरह सौ पदों की खेप उतार कर सरकार सबसे पहले स्वास्थ्य विभाग को सद्गति दे रही है। करुणामूलक भर्तियों में अटके 2542 मामलों को आश्वासन यह कि पुनर्विचार होगा। मल्टी टास्क वर्करों की भर्ती प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की समिति फैसला लेगी। सरकार नौकरियों के तराजू को अपने पक्ष में झुकाने के प्रयास के अलावा किसान वर्ग को विशिष्ट दर्जा देने की इच्छुक है। सरकार का कोमल हृदय कृषि ऋण ब्याज अनुदान के वादे में सामने आता, जिसके तहत उन किसानों को राहत मिलेगी जिनकी भूमि नीलामी की जद में आ गई है। करीब 6356 किसानों की ब्याज देनदारी में 50 प्रतिशत सरकार वहन करेगी। बीस बीघा से कम भूमि वाले कब्जाधारी किसानों को राहत देते हुए सरकार कब्जों को नियमित करेगी। जिनके ट्रैक्टर रेत-बजरी से भरे रहते हैं, उसे छानकर सरकार ने राहत प्रदान करने का मसाला खोजा है। खनिज परिवहन में फंसने वाले ट्रैक्टरों की कंपाउडिंग फीस 4500 से घटा कर मात्र 500 रुपए हो जाएगी। यानी खड्डों के रास्ते अब जवान हो सकते हैं या ढुलाई का पाप घट सकता है। एक बार फिर भांग की आर्थिक मांग भरी जा रही है ताकि इस क्षमता का उद्धार करके नियंत्रित खेती से चिकित्सा एवं विज्ञान की दृष्टि हमारे खेतों का सहारा बने। जंगल में चारे की तलाशी को राहत का मजमून मानते हुए अब भेड़ पालकों को डीएफओ स्तर के अधिकारी ही अनुमति देंगे। सुक्खू सरकार अपनी स्टार्ट अप योजना के चौथे चरण की व्याख्या में स्वरोजगार को परिवहन से जोड़ते हुए अनुदान की घोषणा कर रही है।

दृष्टि कोण

सोने के आयात को रोकने की कवायद

पिछले लगभग 3 माह से अमरीका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बाद कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा आने और कीमतों में लगातार वृद्धि होने से देश का आयात-निर्यात का असंतुलन पहले से भी ज्यादा विकट हो गया है। ऐसे में भारतीय रुपया तेजी से कमजोर होकर 95 से 97 रुपए प्रति डालर के आसपास चल रहा है और कई विशेषज्ञ तो यह आशंका भी व्यक्त कर रहे हैं कि यह 100 रुपए प्रति डालर की सीमा भी लांघ सकता है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जनता से यह भावुक अपील की है कि वे न केवल पेट्रोलियम पदार्थों के उपभोग को कम करें, बल्कि विदेशी मुद्रा बचाने हेतु सोने की खरीद को भी कम करे और जरूरत से ज्यादा विदेश यात्राएं भी न करें। हालांकि सोने के आयात पर समय-समय पर आयात शुल्क बढ़ाने से लेकर मात्रात्मक नियंत्रण लगाने तक, कई अंकुश लगाए जाते रहे हैं, लेकिन शायद यह पहली बार है कि देश के किसी प्रधानमंत्री ने लोगों से सोने की खरीद घटाने के लिए अपील की है। भारत में लोगों का सोने की खरीद के प्रति आकर्षण कोई नई बात नहीं है। हजारों वर्षों से देश के लोग आभूषणों के रूप में सोने की भारी खरीद करते रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री की अपील से कुछ लोगों को ऐसा लगा कि शायद प्रधानमंत्री आभूषणों की खरीद पर अंकुश लगाने की अपील कर रहे हैं। क्या आज सोने की सारी मांग आभूषणों के लिए है? इस संदर्भ में हमें समझना होगा कि पिछले लगभग दो दशकों से देश में आभूषणों के रूप में सोने की खरीद में भारी कमी आई है, लेकिन फिर भी देश में सोने का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है। इस गुत्थी को सुलझाने के लिए हमें वल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों को देखना और समझना पड़ेगा। वल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत में कुल सोने का आयात 150 टन रहा, लेकिन आभूषणों के लिए सोने की मांग सिर्फ 66 टन ही थी। पूर्व में विश्व स्तर पर आभूषण के लिए सोने की मांग 50 प्रतिशत से ज्यादा होती थी, लेकिन यह लगातार घटते हुए वर्ष 2025 तक मात्र 31

प्रतिशत ही रह गई। वर्ष 2025 में पहली बार निवेश के लिए सोने की मांग 2175 टन तक पहुंच गई जो आभूषणों हेतु सोने की मांग से भी ज्यादा थी। यानी कहा जा सकता है कि देश और विश्व में सोने की मांग इसलिए नहीं बढ़ रही कि स्वर्ण आभूषणों की मांग बढ़ रही है, बल्कि क्योंकि लोग अब सोने को निवेश के रूप में भी रखना चाहते हैं। यही नहीं भारतीय रिजर्व बैंक सहित अधिकांश बड़े देशों के केंद्रीय बैंक भी अपने विदेशी मुद्रा भंडारों में सोने का अनुपात बढ़ाते जा रहे हैं। गौरतलब है कि सितंबर 2025 से लेकर अब तक भारतीय रिजर्व बैंक के पास विदेशी मुद्रा भंडार में सोने का हिस्सा 13.92 प्रतिशत से बढक़र 16.85 प्रतिशत हो चुका है। यहां एक बात स्पष्ट करना जरूरी हो जाता है कि हाल ही में कुछ ऐसे समाचार भी आए कि रिजर्व बैंक ने अपना काफी सोना बेच दिया है, लेकिन 3 जून को जारी स्पष्टीकरण के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार 880.52 टन पर बरकरार है। पिछले लंबे समय से देश में सोना बड़ी मात्रा में आयात होता रहा है। लेकिन इस संदर्भ में खास बात यह है कि जीडीपी में वृद्धि के साथ-साथ सोने का आयात भी बढ़ता रहा है। 1991 के बाद सोने के आयात की प्रवृत्ति पहले से ज्यादा बढ़ी है। इसका कारण यह भी रहा कि 1991 से पूर्व सोने के आयात पर भारी नियंत्रण था और न केवल ऊंचे आयात शुल्क लगाए जाते थे, बल्कि सोने के आयात के लिए लाईसेंस की अनिवार्यता भी थी। इसके चलते बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी भी होती थी। हालांकि आधिकारिक तौर पर सोने के आयात कम होते थे, लेकिन देश में सोने का उपभोग लगातार ज्यादा बना रहा।

फीफा विश्व कप रेफरी उमर आर्टन को वैध वीज़ा होने के बावजूद अमेरिका में प्रवेश नहीं मिला

नई दिल्ली

सोमालिया के रेफरी उमर आर्टन, जिन्हें फीफा विश्व कप में मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया था, को अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके साथ ही फुटबाल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में मैच संचालित करने वाले अपने देश के पहले रेफरी बनने का उनका सपना टूट गया।

वर्ष 2025 में अफ्रीका के सर्वश्रेष्ठ रेफरी चुने गए उमर आर्टन को मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी ने रोक दिया।

सोमवार को जारी बयान में एजेंसी ने कहा कि आर्टन को नियमित प्रक्रिया के तहत अतिरिक्त जांच के लिए रोका गया था।

बयान में कहा गया, जांच के बाद पाया गया कि विश्व कप रेफरी के रूप में यात्रा कर रहे व्यक्ति को सत्यापन संबंधी चिंताओं के कारण प्रवेश के लिए अयोग्य माना गया और उन्हें अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया।

हालांकि एजेंसी ने इन चिंताओं के बारे में कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की।

उमर आर्टन फीफा विश्व कप के लिए चुने गए सोमालिया के एकमात्र रेफरी थे। जून 2025 से सोमालिया उन देशों की सूची में शामिल है जिन पर अमेरिका ने पूर्ण यात्रा प्रतिबंध लागू किया हुआ है, हालांकि विशेष परिस्थितियों में कुछ मामलों में छूट दी जा सकती है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आर्टन के पास वैध वीज़ा और राजनयिक पासपोर्ट दोनों मौजूद थे, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें प्रवेश के लिए पर्याप्त नहीं माना।

सोमालिया के युवा एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ सलाहकार सीसे अदन अबशीर ने इस फैसले की आलोचना की।

उन्होंने कहा, एक आधिकारिक बयान में कहा, उमर आर्टन अफ्रीका के सबसे सम्मानित रेफरियों में से एक हैं और उन्हें पूरे फुटबाल समुदाय का समर्थन मिलना चाहिए। अमेरिका में प्रवेश से इनकार करना और उन्हें निर्धारित मुकाबलों में रेफरी की भूमिका निभाने से रोकना केवल उनके साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह फुटबाल के निष्पक्षता, योग्यता और खेल भावना के सिद्धांतों को भी कमजोर करता है।

उमर आर्टन इससे पहले वर्ष 2023 अफ्रीका कप आफ नेशंस में भी रेफरी की भूमिका निभा चुके हैं और वर्ष 2025 में उन्हें महाद्वीप का सर्वश्रेष्ठ रेफरी चुना गया था।

विश्व कप की शुरुआत से पहले यात्रा संबंधी यह नया विवाद सामने आया है। इससे पहले ईरान की राष्ट्रीय फुटबाल टीम के खिलाड़ियों को अमेरिका में प्रवेश के लिए वीज़ा मिल गया था, लेकिन ईरान फुटबाल महासंघ ने दावा किया था कि उसके 14 अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों को वीज़ा देने से इनकार कर दिया गया। महासंघ ने इसे अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बाद प्रतिशोधात्मक व्यवहार बताया था।

न्यूज ब्रीफ

अंतिम क्षणों में कोडी गाक्पो के पेनाल्टी गोल से नीदरलैंड ने उज्बेकिस्तान को हराया

न्यूयार्क। फीफा विश्व कप की तैयारियों के तहत खेले गए अभ्यास मुकाबले में नीदरलैंड ने रोमांचक अंदाज में उज्बेकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। बंद दरवाजों के पीछे खेले गए इस मुकाबले में

कोडी गाक्पो ने दोनों गोल पेनाल्टी पर किए, जिसमें जीत दिलाने वाला गोल मैच की आखिरी किक पर आया। मैच की शुरुआत से ही नीदरलैंड ने दबाव बनाया और 31वें मिनट में बढ़त हासिल की। क्रिसेंसियो समरविल को बाक्स के भीतर गिराए जाने के बाद टीम को पेनाल्टी मिली, जिसे कोडी गाक्पो ने सफलतापूर्वक गोल में बदल दिया। पहले हाफ में नीदरलैंड पूरी तरह नियंत्रण में दिखाई दिया। हालांकि दूसरे हाफ में टीम की लय बिगड़ गई और उज्बेकिस्तान ने मुकाबले में वापसी कर ली। नीदरलैंड की ढीली खेल शैली का फायदा उठाते हुए उज्बेकिस्तान ने लगातार दबाव बनाए रखा। मुकाबला विवादों से भी घिरा रहा। नीदरलैंड की दो मजबूत पेनाल्टी अपील खारिज कर दी गईं, जबकि स्थानापन्न खिलाड़ी गूस टिल को 89वें मिनट में हैंडबाल के कारण लाल कार्ड दिखाया गया। इसी बीच अतिरिक्त समय के तीसरे मिनट में उज्बेकिस्तान ने बराबरी कर ली। इगोर सर्गेव ने टीम के एक प्रभावी हमले को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। जब मुकाबला ड्रा की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी अंतिम क्षणों में एक और नाटकीय मोड़ आया। कार्नर के दौरान जीन-पाल वान हेके को गिरा दिए जाने पर रेफरी ने नीदरलैंड को दूसरी पेनाल्टी दे दी। कोडी गाक्पो ने एक बार फिर जिम्मेदारी संभाली और मैच की अंतिम किक पर गोल करके नीदरलैंड को 2-1 की जीत दिला दी। अब नीदरलैंड की टीम मंगलवार को अपने विश्व कप बेस कैंप कैनसस सिटी रवाना होगी, जहाँ से वह ग्रुप एफ में अपने पहले मुकाबले में रविवार को डलास में जापान का सामना करेगी। वहीं पहली बार विश्व कप में हिस्सा ले रहा उज्बेकिस्तान ग्रुप के में शामिल है और 18 जून को मेक्सिको सिटी में कोलंबिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

भारत में टी20 विश्वकप में खेलना चाहती थी टीम , बांग्लादेश के क्रिकेटर लिटन दास ने पाकिस्तान और अपने बोर्ड की खोली पोल

ढ़ाका। बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने अपने ही देश के क्रिकेट बोर्ड पर निशाना साधा है। लिटन ने कहा कि टीम भारत में हुए टी20 विश्वकप को खेलना चाहती थी पर बोर्ड ने सुरक्षा का डर दिखाकर उन्हें रोक दिया था जबकि उनकी टीम ने बेहद खतरनाक हालातों में पाकिस्तान जैसे देश में खेला था। इस पूरे मामले पर अब लिटन दास का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें उन्होंने बीसीबी के साथ ही पाकिस्तान दौर के खराब हालातों के बारे मूं बताया है। वीडियो में लिटन दास ने कहा कि बीसीबी के अधिकारियों ने बेवजह भारत में सुरक्षा के खतरे का बहाना बनाया। उन्होंने कहा, बीसीबी अधिकारी ने हमसे कहा कि भारत में कोई सुरक्षा नहीं है। तब हमने उनसे कहा भी था कि हमने पाक में भी खेला है। वहा हालात इतने खराब थे कि कमरे के बाहर पुलिस वाले बंदूकें लेकर खड़े रहते थे। ऐसे में हम भारत में भी खेल सकते हैं। इससे साफ है कि बांग्लादेश बोर्ड ने जबरन अपनी टीम को खेलने से रोका था। यह पूरा मामना आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश के बहिष्कार से जुड़ा है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश ने हिस्सा नहीं लिया था, जिसके बाद उसकी जगह स्काटलैंड को शामिल किया गया था।

निरंतरता और धैर्य है मेरी सफलता का राज : मानव सुथार

न्यू चंडीगढ़। अपने डेब्यू मैच में ही शानदार गेंदबाजी कर रिकार्ड बनाने वाले नये स्पिनर मानव सुथार ने

अपनी सफलता का श्रेय किसी व्यक्ति को न देते हुए अपनी निरंतरता और धैर्य से गेंदबाजी करने को दिया है। स्पिन आलराउंडर सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने करियर के पहले टेस्ट में कुल 7 विकेट लेकर अपनी प्रतिभा साबित की है। इस क्रिकेटर ने अपनी बल्लेबाजी और घातक गेंदबाजी से हर किसी को अपना प्रशंसक बना लिया है। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में इस क्रिकेटर ने बल्लेबाजी के दौरान भी 28 रन भी बनाये। सुथार ने पहली पारी में 6 विकेट जबकि दूसरी पारी में 1 विकेट लिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच का अवार्ड भी मिला। मैच के बाद इस स्पिनर ने कहा कि यहां की पिच को समझने के साथ ही निरंतरता और धैर्य के साथ गेंदबाजी करने से भी उन्हें लाभ हुआ है। बार-बार एक ही जगह गेंद डालनी होती है।

आखिरी 3 विकेट 4 गेंदों में झटके, वैभव सूर्यवंशी के फेल रहने के बाद भी इंडिया ए की रोमांचक जीत

दंबुला: ट्राई-नेशन ए सीरीज के पहले मुकाबले में इंडिया ए टीम ने रोमाचंक जीत हासिल की। टीम के सामने मेजबान श्रीलंका ए की चुनौती थी। इंडिया ए ने मैच को 8 रनों के अंतर से अपने नाम किया। तिलक वर्मा की कप्तानी वाली इंडिया ए ने पहले खेलते हुए रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में 6 विकेट पर 277 रन बनाए। 49वें ओवर में श्रीलंका ए की पारी 269 रनों पर सिमट गई। इंडिया ए के लिए वैभव सूर्यवंशी इस मैच में सिर्फ 14 रन बनाकर आउट हो गए।

-श्रीलंका ए को जीत के लिए आखिरी दो ओवर में सिर्फ 10 रन चाहिए थे।

-49वें ओवर में अरशद खान की पहली गेंद पर एक रन बना।

-दूसरी गेंद पर विजयकांत व्यासकांत एलबीडब्ल्यू आउट हो गए।

-तीसरी गेंद पर 23 रन बनाकर खेल रहे वानुजा सहन रन आउट हो गए।

-5वीं गेंद पर आखिरी बल्लेबाज मोहम्मद शिराज आउट हो गए और इंडिया ए जीत गई।

श्रीलंका ए को अनुभवी निरोशन डिकवेला और अविष्का फर्नांडो ने ठोस शुरुआत दिलाई। पहले विकेट के लिए दोनों ने 99 गेंदों पर 93 रन जोड़े। आयुष बडोनी ने दोनों ही बल्लेबाज को आउट किया। डिकवेला ने 47 और अविष्का ने 45 रन बनाए। तीसरे नंबर पर उतरे नुवानिदु फर्नांडो 8 रन ही बना सके। 16 रनों के अंतर 3 विकेट गिरने के बाद सदीरा समरविक्रमा और कप्तान सहान अराच्चिगे ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 78 रनों की साझेदारी हुई। 34वें ओवर में श्रीलंका ए की टीम 187 रनों तक पहुंच गई थी।

अंशुल कंबोज ने 48वें ओवर में बड़ा विकेट झटका

51 गेंदों पर 46 रन बनाने वाले सदीरा को आउट करके अनुकूल रॉय ने यह साझेदारी तोड़ी। लेकिन सहान ने अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। हालांकि इंडिया ए के गेंदबाज दूसरे छोर से विकेट चटकाते रहे। 3 ओवर में मेजबान टीम को 17 रन चाहिए थे। अंशुल कंबोज ने 48वें ओवर की दूसरी गेंद पर सहान को यॉर्कर मारकर बोल्ड कर दिया। उन्होंने 72 गेंदों पर 74 रन बनाए। यह मैच का टर्निंग पॉइंट भी रहा। इंडिया ए की तरफ से अरशद खान, अनुकूल रॉय, विपराज निगम और आयुष बडोनी ने 2-2 विकेट लिए।

इंडिया ए के लिए रुतुराज गायकवाड़ का शतक

पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2 और वैभव सूर्यवंशी 14 रन बनाकर आउट हो गए। 16 रन पर 2 विकेट गंवा चुकी इंडिया ए को प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आर्य 32 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी की। गायकवाड़ ने बेहतरीन शतक लगाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 114 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 101 रन की पारी खेली। तिलक ने 97 गेंदों पर 60 की पारी खेली। आयुष बडोनी ने 24 और सुर्यांश शेड्गे ने 26 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट लिए। वह सबसे सफल गेंदबाज रहे। इसके अलावा, चमिका करुणारत्ने, गारुका संकेथ, और वानुजा सहान ने 1-1 विकेट लिए।

माइकल ओलिसे की हैट्रिक से फ्रांस ने उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हराया

लिले

फीफा विश्व कप की तैयारियों के तहत खेले गए अभ्यास मुकाबले में सोमवार को फ्रांस ने माइकल ओलिसे की शानदार हैट्रिक की बदौलत उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ फ्रांस ने पिछले सप्ताह आइवरी कोस्ट के खिलाफ मिली हार से वापसी की, हालांकि टीम की रक्षात्मक कमजोरियां एक बार फिर सामने आईं।

फ्रांस के लिए माइकल ओलिसे ने एक बार फिर अपनी अहमियत साबित की और विश्व कप से पहले टीम के सबसे प्रभावशाली आक्रमणकारी खिलाड़ियों में खुद को स्थापित किया।

मुख्य कोच दिदिए देशां ने इस मुकाबले में लगभग वही टीम उतारी, जिसे विश्व कप के पहले मैच में खेलने की संभावना है। ओलिसे ने किलियन एम्बाप्पे, उस्मान डेम्बेले और डिज़ायर डूए के पीछे खेलते हुए आक्रमण की कमान संभाली, जबकि रक्षा में विलियम सलीबा और दायोट उपामेकानो की जोड़ी उतरी।

मुकाबले की शुरुआत में फ्रांस लय हासिल नहीं कर पाया और उत्तरी आयरलैंड की मजबूत रक्षात्मक रणनीति को तोड़ने में संघर्ष करता रहा। शुरुआती चरण में टीम को ज्यादा स्पष्ट मौके नहीं मिले। पहला गोल पहले हाफ के समाप्त होने से दो मिनट पहले आया। बाएं छोर से डिज़ायर डूए के तेज आक्रमण के बाद गेंद डेम्बेले तक पहुंची। उनके शाट पर डिफ्लेक्शन हुआ और गेंद माइकल ओलिसे के सामने आ गई, जिन्होंने नजदीक से गोल कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत के चार मिनट बाद ओलिसे ने एक और गोल कर अंतर दोगुना कर दिया। उत्तरी आयरलैंड की रक्षा गेंद को साफ नहीं कर सकी और ओलिसे ने हाफ-वाली के जरिए गेंद को जाल में पहुंचा दिया।

हालांकि मैच पर नियंत्रण बनाए रखने के बावजूद फ्रांस की रक्षापंक्ति फिर दबाव में दिखी। इसका फायदा उठाते हुए शिया चार्ल्स ने दाएं छोर से शानदार क्रास दिया, जिस पर पैट्रिक केली ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया।

पेरु और स्पेन के फुटबॉलर

मैक्सिको के पुबेला में फुटबाल के एक मैत्री मुकाबले में खेलते हुए पेरु और स्पेन के फुटबालर।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका टी-20 श्रृंखला के लिए टीम घोषित की, आगस्टे, एंड्रयू और स्प्रिंगर की वापसी

नई दिल्ली

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में अकीम आगस्टे, ज्वेल एंड्रयू और शमर स्प्रिंगर की वापसी हुई है। जमैका में आयोजित होने वाली इस श्रृंखला के लिए चुनी गई टीम में हाल ही में टी-20 विश्व कप खेलने वाली टीम से कुछ बदलाव किए गए हैं। जानसन चार्ल्स, क्वेंटिन सैम्पसन और जेडन सील्स को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को कार्यभार प्रबंधन योजना के तहत चयन के लिए नहीं माना गया।

22 वर्षीय अकीम आगस्टे अब तक नौ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। 19 वर्षीय ज्वेल एंड्रयू ने इस प्रारूप में पांच मैच खेले हैं, जबकि हरफनमौला खिलाड़ी शमर स्प्रिंगर छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

इसके अलावा तेज गेंदबाज शमर जोसेफ, जो निजी कारणों से एकदिवसीय टीम छोड़कर स्वदेश लौट गए थे, उनके टी-20 श्रृंखला से पहले टीम के साथ जुड़ने की उम्मीद है।

मुख्य कोच डेरेन सैमी ने कहा, भारत में हुए विश्व कप के बाद यह हमारी पहली टी-20 श्रृंखला है। टीम ने वहाँ जुनून, संघर्ष और एकजुटता दिखाई थी, जो वेस्टइंडीज क्रिकेट की पहचान है। अब हमारा लक्ष्य उसी प्रदर्शन को आगे बढ़ाना और श्रीलंका के खिलाफ मजबूत प्रतिस्पर्धा करना है।

तीनों टी-20 मुकाबले जमैका के सबीना पार्क में 11, 13 और 14 जून को खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेंगी। इससे पहले श्रीलंका ने एकदिवसीय श्रृंखला 1-0 से जीती थी, जबकि अंतिम दो मुकाबले बारिश के कारण रद्द हो गए थे।

श्रीलंका के खिलाफ वेस्टइंडीज की टी-20 टीम:

शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, अकीम आगस्टे, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, शिमरान हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसैन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, रोवमैन पावेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमेरियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

लगातार दूसरी बार बारिश बनी बाधा, श्रीलंका ने 23 साल बाद कैरेबियाई धरती पर जीती एकदिवसीय श्रृंखला

किंग्स्टन

सोमवार को लगातार दूसरे मुकाबले में बारिश ने खेल बिगाड़ दिया और वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच सबीना पार्क में खेला जाने वाला तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गया। इसके साथ ही श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला 1-0 से अपने नाम कर ली।

श्रृंखला के पहले मुकाबले में मिली 41 रन की जीत ने श्रीलंका को निर्णायक बढ़त दिला दी थी, जबकि अगले दोनों मुकाबले बारिश की भेंट चढ़ गए।

मैच अधिकारियों ने कई बार मैदान का निरीक्षण किया, लेकिन क्यूरेटर से चर्चा के बाद तय किया गया कि निर्धारित समय सीमा तक 20 ओवर का मुकाबला शुरू कराना संभव नहीं होगा।

यह जीत श्रीलंका के लिए ऐतिहासिक रही क्योंकि टीम ने 23 साल बाद कैरेबियाई धरती पर एकदिवसीय श्रृंखला जीती है। इससे पहले श्रीलंका ने वर्ष 2003 में वेस्टइंडीज में

एकदिवसीय श्रृंखला अपने नाम की थी।

नई जिम्मेदारी संभाल रहे मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और नए कप्तान कुसल मेंडिस के लिए यह शानदार शुरुआत रही। हालांकि बारिश के कारण टीम को अधिक मैच अभ्यास का मौका नहीं मिल पाया।

श्रृंखला जीतने के बाद कप्तान कुसल मेंडिस ने कहा, श्रृंखला जीतकर बहुत खुशी हो रही है। पहले मुकाबले में हमने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण—तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया। अगले विश्व कप से पहले ज्यादा मुकाबले नहीं हैं, इसलिए कप्तान के रूप में पहली श्रृंखला जीत मेरे लिए खास है। कोचिंग स्टाफ का भी पूरा सहयोग मिला।

दूसरी ओर वेस्टइंडीज के लिए यह परिणाम निराशाजनक रहा। टीम को वापसी का मौका नहीं मिला और उसे तीन वर्षों में घरेलू मैदान पर पहली एकदिवसीय श्रृंखला हार झेलनी पड़ी।

इस हार का असर विश्व कप क्वालीफिकेशन की दौड़ पर भी पड़ सकता है। वेस्टइंडीज फिलहाल एकदिवसीय रैंकिंग में दसवें स्थान पर है और सीधे विश्व कप 2027 के लिए क्वालीफाई करने वाली शीर्ष आठ टीमों से बाहर है। आगे उसे न्यूजीलैंड और भारत जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ श्रृंखलाएँ खेलनी हैं।

वेस्टइंडीज कप्तान शाई होप ने कहा, मौसम हमारे नियंत्रण में नहीं है। पहले मैच में श्रीलंका ने बेहतर खेल दिखाया और जीत का श्रेय उन्हें जाता है। अब हमारा ध्यान टी-20 श्रृंखला पर रहेगा और हमें परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना होगा। अब दोनों टीमें टी-20 श्रृंखला की तैयारी करेंगी। तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला 11 जून से शुरू होगी, जबकि अगले मुकाबले 13 और 14 जून को खेले जाएंगे। सभी मुकाबले किंग्स्टन के इसी मैदान पर आयोजित होंगे। हालांकि आने वाले दिनों में भी बारिश की संभावना बनी हुई है, ऐसे में मैदानकर्मियों के सामने मुकाबलों को समय पर कराने की बड़ी चुनौती होगी।

दुल्हन ही सबसे बड़ा दहेज, दहेज प्रथा मानवता पर कलंक : कमल मुनि कमलेश

बेंगलुरु, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने कहा कि जहां स्वार्थ और लालच का प्रवेश हो जाता है, वहां खून के रिश्तों में भी कड़वाहट घुल जाती है। लालच सज्जन व्यक्ति को भी शैतान और राक्षस बना देता है। वे श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्रीरामपुर के तत्वावधान में आयोजित वीरांगना सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि दहेज रूपी रावण ने समाज में महिलाओं को मानसिक और शारीरिक यातनाएं देने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। दहेज के लिए प्रताड़ना, तलाक, परित्याग और यहां तक कि महिलाओं को जिंदा जलाने जैसी घटनाएं मानवता के लिए कलंक हैं और अक्षम्य अपराध हैं। मुनि कमलेश ने कहा कि माता-पिता अपनी पुत्री को परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति के लिए निस्वार्थ भाव से समर्पित करते हैं। बेटी ईश्वर का सबसे महान प्रसाद है और दुल्हन ही सबसे बड़ा दहेज है। उन्होंने कहा कि दहेज के लोभी लोग धर्म और मानवता दोनों के नाम पर कलंक हैं। उनके द्वारा किया गया दान, तपस्या और आराधना केवल पाखंड है। ऐसे लोगों को समाज में सम्मान नहीं मिलना चाहिए।

राष्ट्र संत ने कहा कि दहेज लेना और देना दोनों ही अपराध हैं। कई बार दहेज की मांग पूरी न होने पर बारात लौट जाती है और बेटियां विवाह मंडप तक नहीं पहुंच पातीं। ऐसी घटनाएं परिवारों के लिए आत्महत्या से भी अधिक पीड़ादायक होती हैं।

उन्होंने कहा कि जो लोग विवाह मंडप में दहेज के लिए रिश्ता तोड़ देते हैं, उनका सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए। केवल कानून बनाकर इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। धर्मगुरुओं, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों को मिलकर वैचारिक क्रांति का अभियान चलाना होगा, जिससे लोगों की सोच बदले और समाज दहेज मुक्त बने।समारोह में महिला मंडल एवं बहू मंडल की ओर से शांता गांधी, सूरजबाई बोहरा, नारंगी गुगलिया, इंदिरा बहन दलाल, कंचन कोठारी, मंजू पटवा, पुष्पा कटारिया, रेनू गांधी सहित 35 वीरांगना महिलाओं का चुनरी ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

मछली दवा वितरण : बजरंग सेना तेलंगाना ने निभाई अहम भूमिका, मरीजों को बांटा प्रसाद

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में बथिनी गौड़ परिवार द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले प्रसिद्ध मछली दवा वितरण कार्यक्रम में बजरंग सेना तेलंगाना ने अपनी सक्रिय और गर्वमयी भागीदारी दर्ज की। देश के कोने-कोने से दमा (अस्थमा) और सांस की बीमारियों से राहत पाने आए हजारों मरीजों की सेवा के लिए संगठन के कार्यकर्ता मैदान में डटे रहे। कार्यक्रम के दौरान बजरंग सेना के प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. आर. लक्ष्मण राव और शहर अध्यक्ष श्री मनोज मोगालगिद्दी ने खुद अग्रिम मोर्चे पर रहकर देश भर से आए मरीजों को पारंपरिक मछली दवा खिलाई।

मेले में आए श्रद्धालुओं और मरीजों की देखभाल व अतिथि सत्कार के हिस्से के रूप में बजरंग सेना द्वारा एक विशेष सेवा शिविर लगाया गया।

इसमें कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी मरीजों और उनके परिजनों को गर्म नाश्ते के रूप में टोमैटो बाथ (एक प्रकार का उपमा) वितरित किया गया।

इस मौके पर बजरंग सेना के शीर्ष नेताओं ने इस महान और परोपकारी परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखने के लिए बथिनी गौड़ परिवार की जमकर सराहना की।

नेताओं ने कार्यक्रम में मौजूद मरीजों, बुजुर्गों और श्रद्धालुओं से आत्मीय बातचीत की और उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

राष्ट्रसंत खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. का संघशास्ता वर्षावास 2026 का आयोजन पावनधान श्री जैन श्वेतांम्बर जिनकुशलसूरिजी दादावाड़ी, कारवान में भव्यरूप से आयोजित किया जाएगा। गुरुदेव का नगरप्रवेश 15 जुलाई को बोलारम में होगा। 26 जुलाई को चातुर्मास स्टल में जुलूस, वरघरोडा, के साथ प्रवेश होगा। इस विशेष अवसर पर पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति प्रदान करेंगे।

भारतीय गेमिंग बाजार में बड़ा धमाका: मशहूर सिम रेसिंग ब्रांड फैनटेक की भारत में एंट्री

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

प्रीमियम सिम रेसिंग हार्डवेयर और इमर्सिव ड्राइविंग सिमुलेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र की वैश्विक अग्रणी कंपनी फैनटेक ने भारतीय बाजार में अपने कदम रख दिए हैं। कंपनी ने भारत के प्रमुख आईटी और गेमिंग रिटेल ब्रांड्स में से एक, विशाल पेरीफेरल्स के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है।

इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य विशाल पेरीफेरल्स के मजबूत रिटेल नेटवर्क, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और गेमिंग कम्युनिटी के जरिए भारतीय गेमिंग प्रेमियों, ई-स्पोर्ट्स खिलाड़ियों, रेसिंग पेशेवरों और कंटेंट क्रिएटर्स तक उच्च प्रदर्शन वाले वास्तविक सिम रेसिंग समाधान पहुंचाना है। यह कदम भारत में प्रीमियम सिम रेसिंग के अनुभवों को सुलभ बनाने और देश के तेजी से बढ़ते गेमिंग व ई-स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

इस लॉन्च के हिस्से के रूप में, विशाल पेरीफेरल्स अपने रिटेल स्टोर्स और ऑनलाइन चैनलों पर ऋऋपरींशल के प्रीमियम सिम रेसिंग प्रोडक्ट्स को प्रदर्शित और वितरित करेगा। इससे भारतीय उपभोक्ताओं को भरोसेमंद वारंटी और आफ्टर-सेल्स (बिक्री के बाद) सपोर्ट के साथ सीधे असली ऋऋ-परींशल उत्पाद खरीदने का मौका मिलेगा।

देश भर के ग्राहक अब विशाल पेरीफेरल्स की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सीधे खरीदारी कर सकेंगे, जो सुरक्षित भुगतान, आसान पहुंच और समर्पित कस्टमर सपोर्ट सुनिश्चित करता है। यह साझेदारी महानगरों के साथ-साथ उभरते हुए गेमिंग बाजारों में भी उन्नत रेसिंग सिमुलेशन हार्डवेयर के प्रति जागरूकता और इसकी पहुंच बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

गेमिंग और टेक्नोलॉजी क्षेत्र में अपने व्यापक अनुभव के साथ विशाल पेरीफेरल्स, भारत में ऋऋ-परींशल की रिटेल दृश्यता, ग्राहकों के जुड़ाव और बाजार विस्तार की पहलों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बांसवाड़ा मंडल विश्वब्राह्मण संघ की नई कार्यकारिणी का गठन

बांसवाड़ा, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बांसवाड़ा मंडल विश्वब्राह्मण संघ की नई कार्यकारिणी का गठन मंगलवार को संपन्न हुए चुनाव में किया गया। चुनाव प्रक्रिया विश्वब्राह्मण संगम के जिला अध्यक्ष पुंडरीकम चारी की देखरेख में आयोजित हुई।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में वडला संतोष चारी को अध्यक्ष, वडला भास्कर चारी को उपाध्यक्ष, गजानंद चारी को महासचिव, वडला भास्कर, अरुण चारी एवं वडला चिन्ना गंगाधर को सह सचिव तथा कम्मरी सत्यनारायण को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं सुदर्शन, बुर्रा सत्यनारायण, लक्ष्मण, श्यामसुंदर एवं हनमंडलू को मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया। इस अवसर पर पुंडरीकम चारी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को संगठन के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने तथा विश्वब्राह्मण समाज की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष वडला संतोष चारी ने संगठन के सदस्यों एवं वरिष्ठजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के प्रत्येक सदस्य के लिए सदैव उपलब्ध रहेंगे तथा संगठन की प्रगति एवं समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से संघ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।

सैमसंग की क्रांतिकारी माइक्रो आरजीबी टीवी श्रृंखला का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन मबजाज इलेक्ट्रॉनिक्सफ के स्टोर पर आज इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सैमसंग की अत्याधुनिक और क्रांतिकारी माइक्रो आरजीबी टीवी सीरीज का भव्य और आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया गया। इस शानदार और प्रीमियम टीवी श्रृंखला का अनावरण विशेष अतिथि मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 साध्वी सतीश सैल द्वारा किया गया।

सैमसंग की यह नई क्रांतिकारी टीवी सीरीज बाजार में 55 इंच से लेकर 115 इंच तक के विशाल स्क्रीन आकारों में उपलब्ध कराई गई है।

सैमसंग के अधिकारियों के अनुसार, ये नए माइक्रो आरजीबी टीवी उपभोक्ताओं को अत्यधिक सटीक रंग (प्रिसाइज कलर), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अख) आधारित इमर्सिव व्यूइंग और ग्लेयर फ्री (चमक रहित) तकनीक प्रदान करते हैं। यह नई तकनीक घर पर ही सिनेमा जैसा प्रीमियम और बड़े पर्दे का बेहतरीन मनोरंजन अनुभव चाहने वाले उपभोक्ताओं के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी।

सोमवार को हैदराबाद के बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर पर आयोजित इस मेगा लॉन्चिंग के दौरान सैमसंग के विशालकाय 115 इंच के माइक्रो आरजीबी टीवी के सामने एक विशेष फोटो सत्र आयोजित किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 साध्वी सतीश सैल के साथ सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री गिरीश गोपी, जनरल मैनेजर श्री नितिन चोपड़ा और बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स की ओर से श्री ऋषभ जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे और इस क्रांतिकारी उत्पाद को बाजार में उतारा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मीनाक्षी ...

आपत्ति पूरी तरह निराधार है। कांग्रेस का दावा है कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। उन्हें केवल अदालत की ओर से एक सामान्य नोटिस प्राप्त हुआ था। पार्टी नेताओं के अनुसार, चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत उम्मीदवारों को चुनावी हलफनामे में केवल उन आपराधिक मामलों की जानकारी देनी होती है जो विधिवत दर्ज (रजिस्टर्ड) हों। महज किसी शिकायत या न्यायिक नोटिस को हलफनामे में घोषित करना अनिवार्य नहीं है। कांग्रेस का कहना है कि इसलिए मीनाक्षी नटराजन पर जानकारी छिपाने का आरोप तथ्यात्मक और कानूनी रूप से गलत है।

अदालती दस्तावेजों के मुताबिक यह मामला 2025 में दर्ज एक शिकायत से जुड़ा है। 20 अगस्त, 2025 को ए. श्रीलता नाम की महिला ने हैदराबाद की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में मीनाक्षी नटराजन (आरोपी संख्या-4) और अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इस आधार पर मीनाक्षी नटराजन और अन्य पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं 356, 61, 45, 46, 351(2), 3(5) और 79 के तहत आरोप लगाए गए।

अदालत ने 17 सितंबर, 2025 को मीनाक्षी नटराजन को नोटिस जारी कर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने और जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मीनाक्षी नटराजन की ओर से उनके वकील ने 24 अक्टूबर, 2025 को जवाबी हलफनामा दाखिल किया। इसमें मीनाक्षी नटराजन ने खुद को निर्दोष बताते हुए अपने ऊपर लगे आरोपों को राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित बताया और मामले को खारिज करने की मांग की।

अदालत ने 17 नवंबर, 2025 को मामला खारिज करने के बजाय सुनवाई शुरू करने का फैसला किया। यह मामला अभी विचाराधीन है। मीनाक्षी नटराजन ने नॉमिनेशन के वक्त एफिडेविट में इस केस के बारे में जानकारी नहीं दी थी। इसी आधार पर रिटर्निंग ऑफिसर ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की संबंधित धाराओं के उल्लंघन करने के लिए मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया।

ईसी पर ...

आत्ममंथन की सलाह दी। इस घटनाक्रम के बाद चुनाव आयोग के बाहर राजनीतिक तनाव और आरोप-प्रत्यारोप का माहौल बन गया।

निर्वाचन सदन के गेट पर ही कांग्रेस नेता और सुरक्षा जवानों के बीच काफी देर तक बहस होती रही, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, केसी वेणुगोपाल के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शाम साढ़े सात बजे चुनाव आयोग से मिलने के लिए समय मांगा था। इसी बैठक के सिलसिले में जयराम रमेश वहां पहुंचे थे, लेकिन एंट्री को लेकर विवाद खड़ा हो गया। जयराम रमेश के साथ केसी वेणुगोपाल, भूपेश बघेल, सचिन पायलट समेत अन्य नेता भी वहां पहुंचे।

यह मामला अब केवल एक प्रशासनिक विवाद नहीं रह गया है, बल्कि सियासी बहस का केंद्र बन गया हैजहां एक पक्ष इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर चोट बता रहा है, तो दूसरा पक्ष इसे नियमों के पालन के रूप में देख रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वे अपना पेटिशन लेकर चुनाव आयोग पहुंचे हैं, क्योंकि उनके उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब वे सिर्फ अपना पक्ष रखना चाहते हैं, तो उन्हें वेटिंग रूम में जाने की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है। जयराम रमेश ने आगे कहा कि वे पिछले 35 वर्षों से सार्वजनिक जीवन में हैं और लोकसभा के सदस्य रह चुके हैं, लेकिन उन्हें 10 मिनट से अधिक समय से इंतजार करवाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर रोका जा रहा है और उन्होंने पहले कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कल कांग्रेस सभी विधायक कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव आयोग के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठेंगे। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के मेमोरेंडम में चुनाव आयुक्त के साथ अर्जेंट मीटिंग की मांग की गई है, जिसकी जानकारी संबंधित विभाग ने चुनाव आयुक्त तक पहुंचा दी है। हालांकि आयोग ने कांग्रेस नेताओं से भें के लिए कल सुबह बुलाया है।

पीओके...

सुरक्षाकर्मियों को पीओके में भेजा गया। इन सुरक्षा बलों ने निहत्थे प्रदर्शनकारियों और यहां तक कि मृतकों के शोक में शामिल लोगों के खिलाफ भी लाइव एम्युनिशन का इस्तेमाल किया। आरोप है कि हालात को नियंत्रित करने के नाम पर बहुत अधिक बल प्रयोग किया गया।

डोजियर में एक गंभीर दावा कम्युनिकेशन ब्लैकआउट को लेकर किया गया है। कार्रवाई से जुड़ी तस्वीरें, वीडियो और अन्य सबूत बाहर न जा सकें, इसके लिए इंटरनेट और संचार सेवाओं पर रोक लगा दी गई। इस कदम का उद्देश्य सुरक्षा अभियान का डॉक्यूमेंटेशन रोकना था। यह भी कहा गया कि जेएएसी आंदोलन से जुड़े कई प्रमुख नेताओं को निशाना बनाया गया। कुछ नेताओं के मारे जाने का आरोप है। डोजियर में पाक सेना की भूमिका पर सवाल उठाता है और कमांड रिस्पॉन्सिबिलिटी की अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग करता है। इस बीच भारत सरकार ने भी पीओके की स्थिति को लेकर प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान पर फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाएं फैलाने का आरोप लगाया है। मंत्रालय का कहना है कि पाकिस्तान मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान भटकाने के लिए झूठे नैरेटिव गढ़ रहा है।

पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस मुद्दे ने ब्रिटिश राजनीति में भी हलचल पैदा कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार कम से कम 30 ब्रिटिश सांसदों ने यूके सरकार को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। सांसदों ने सरकार से कहा है कि वह तनाव कम कराने और शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए उपलब्ध सभी कूटनीतिक माध्यमों का इस्तेमाल करे। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकों की गिरफ्तारी, बातचीत पर प्रतिबंध और जेएएसी प्रतिनिधियों के बीच वार्ता टूटने की खबरों पर भी चिंता व्यक्त की है। इंडिया टुडे को मिले इस सीक्रेट डोजियर में लगाए गए आरोपों ने पीओके की स्थिति को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। दस्तावेज में आम नागरिकों की मौत, बच्चों और गर्भवती महिलाओं के हताहत होने, सुरक्षाकर्मियों की तैनाती जैसे कई गंभीर दावे किए गए हैं।

वॉर को...

रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से लगभग सभी वॉरहेड रूस और अमेरिका के हैं, जबकि कुछ संख्या फ्रांस और ब्रिटेन की है। हालांकि, एसआईपीआरआई का आकलन है कि चीन और भारत भी अब शांतिकाल के दौरान कभी-कभी मिसाइलों पर कम संख्या में परमाणु वॉरहेड तैनात कर सकते हैं। जनवरी 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत के पास 12 तैनात परमाणु वॉरहेड हैं। चीन के पास 34 तैनात परमाणु वॉरहेड हैं, जो 2025 के 24 से 10 ज्यादा हैं। तैनात परमाणु वॉरहेड की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है। अमेरिका के पास 1,770, रूस के पास 1,796, फ्रांस के पास 280 और ब्रिटेन के पास 120 तैनात परमाणु वॉरहेड हैं।

तुम्हीं हो...

हालिया घटनाक्रम में ढचउ के 80 विधायकों में से लगभग 59 विधायकों ने बगावत का झंडा बुलंद करते हुए ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता बनाने की मांग की थी। स्पीकर के इस नए फैसले के बाद अब हर कोई हैरान है।

इस पूरे विवाद की शुरुआत 19 मई को टीएमसी विधायक की बैठक के बाद से हुई। अव्वल तो कई विधायक इस बैठक में पहुंचे नहीं, लेकिन जब बाद में उन्हें पता चला कि अभिषेक बनर्जी ने कथित तौर पर कुछ अनुपस्थित विधायकों के हस्ताक्षर करवाकर नेता प्रतिपक्ष के नाम का प्रस्ताव बंगाल विधानसभा स्पीकर को भेजा है, तो बवाल मच गया। अभिषेक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी गई। इसके नतीजे में ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निकाल दिया गया। इसके बावजूद टीएमसी के बागी विधायकों ने सिर्फ अभिषेक बनर्जी के खिलाफ मोर्चा खोला, ममता बनर्जी को लेकर वे सॉफ्ट बने रहे। उनके इस मध्यम मार्ग के पीछे रणनीति अब सामने आ रही है: तृणमूल कांग्रेस का पूरा वजूद ममता बनर्जी के चेहरे पर टिका है। बागी विधायक अच्छी तरह जानते हैं कि अगर वे ममता बनर्जी का सीधा विरोध करेंगे, तो जनता उन्हें गद्दार मान सकती है और उनकी राजनीति खत्म कर सकती है। उनके पास यह बताने की वजह नहीं है कि ऐसा क्या हुआ जो सवा महीने पहले तक ममता बनर्जी उनकी नेता थीं, और अब नहीं हैं। इसलिए वे यह संदेश दे रहे हैं कि हम ममता दीदी के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि पार्टी को कंपनी की तरह चलाने वाले अभिषेक बनर्जी और उनके जैसे कुछ चुनिंदा नेताओं के खिलाफ हैं।

बागी विधायकों की कोशिश कोई नया दल बनाने की नहीं है। वे खुद को 'असली तृणमूल कांग्रेस' साबित करना चाहते हैं। स्पीकर द्वारा ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष की मान्यता दिए जाने के बाद अब बागी गुट का यह दावा और मजबूत हो गया है कि विधानसभा के भीतर उनका गुट ही असली पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहा है, क्योंकि उनके पास बहुमत है।

अगर ये बागी विधायक अपनी अलग पार्टी बनाना चाहें, तो संविधान की दसवीं अनुसूची, जिसे हम दल-बदल विर-ोधी कानून कहते हैं, उनकी सदस्यता रद्द करवा सकती है। इस कानून को 1985 में इसीलिए लाया गया था ताकि पैसे या पद के लालच में विधायकों-सांसदों के पाला बदलने की राजनीति को रोका जा सके।

इस कानून के तहत कोई भी बागी विधायक अपनी मर्जी से कदम नहीं उठा सकता। इसके मुख्य नियम इस प्रकार हैं:

अलग होने या विभाजन का नियम खत्म: साल 2003 से पहले इस कानून में एक नियम था कि अगर किसी पार्टी के एक-तिहाई विधायक अलग गुट बना लेते हैं, तो उनकी विधायकी नहीं जाएगी। लेकिन 91वें संविधान संशोधन (2003) के जरिए इस विभाजन वाले नियम को पूरी तरह खत्म कर दिया गया। यानी, अब कोई भी गुट केवल अलग होने के नाम पर अपनी सदस्यता नहीं बचा सकता।

केवल विलय को ही मंजूरी: मौजूदा कानून के मुताबिक, बागी विधायकों की सदस्यता तभी बच सकती है जब उनकी मूल राजनैतिक पार्टी किसी दूसरी पार्टी में विलय (मर्जर) कर ले। इसके लिए शर्त यह है कि सदन में मौजूद उस पार्टी के कम से कम दो-तिहाई विधायक इस विलय के समर्थन में हों। टीएमसी के पास वर्तमान में विधानसभा में कुल 80 विधायक हैं। दल-बदल कानून के तहत किसी भी कार्रवाई से बचने और दो-तिहाई का आंकड़ा पार करने के लिए कम से कम 54 विधायकों का एक साथ होना जरूरी है। बागी गुट के पास 58 से 59 विधायकों का समर्थन है, जो कानूनी रूप से दो-तिहाई के आंकड़े से ज्यादा है। लेकिन वे किसी दूसरी पार्टी में शामिल नहीं हो रहे हैं, क्योंकि ऐसा करने के लिए संगठन के स्तर पर विलय की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए, जो कि संगठन पर ममता बनर्जी के नियंत्रण के कारण संभव नहीं है। इसीलिए वे खुद को मूल पार्टी का हिस्सा बता रहे हैं। भले ही स्पीकर रथींद्र बोस ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दे दी हो, लेकिन बागी विधायकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय-समय पर दिए गए कड़े फैसले हैं। टीएमसी के आधिकारिक नेतृत्व ने अब इन फैसलों को आधार बनाकर कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के स्पीकर के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

कालीघाट पहुंची ...

हालांकि, उन्होंने 1 जून को सीआईडी को पत्र भेजकर 15 दिनों का समय मांगा था। उन्होंने इसके पीछे 30 मई को दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में कथित हमले के दौरान लगी चोटों और स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला दिया था। इसके बाद सीआईडी ने दूसरा नोटिस जारी कर उन्हें सोमवार दोपहर 12 बजे तक पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा था, लेकिन सोमवार सुबह अभिषेक बनर्जी ने एक बार फिर सीआईडी को पत्र भेजकर पूछताछ के लिए अतिरिक्त समय की मांग की। वहीं दूसरी ओर, टीएमसी के पूर्व विधायक सब्यसाची दत्ता को अदालत ने आठ दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। उन्हें जबरन वसूली और आपराधिक धमकी देने के आरोप में मंगलवार (9 जून 2026) तड़के पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले से गिरफ्तार किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि दत्ता जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे और उन्होंने 2018 में शिकायतकर्ता से एक करोड़ रुपये से अधिक की मांग की थी।

हरिद्वार में ...

अभियान में शामिल लोगों का कहना है कि हरिद्वार एक धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी है, इसलिए यहां की पहचान और परंपराओं को बनाए रखना जरूरी है। यश देव कौशिक ने कहा कि मायापुरी और हर की पौड़ी क्षेत्र में बिरयानी शब्द के बजाय पुलाव शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि बिरयानी शब्द लोगों के मन में मांसाहारी भोजन की छवि पैदा करता है, जबकि पुलाव भारतीय संस्कृति के अधिक करीब माना जाता है।

इस अभियान को जूना अखाड़े के संतों का भी समर्थन मिला है। माया देवी मंदिर के मुख्य पुजारी भास्करपुरी महाराज ने कहा कि शब्दों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उनका मानना है कि यदि बिरयानी की जगह पुलाव शब्द का प्रयोग किया जाए तो लोगों की सोच और खानपान की धारणा में भी बदलाव आएगा। उन्होंने इसे गंगा तट और धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने से जुड़ा प्रयास बताया। दिलचस्प बात यह रही कि इस मुहिम में मुस्लिम समाज के लोग भी शामिल हुए। राष्ट्रीय सूफी संत फाउंडेशन के अध्यक्ष नौशाद अली शबरी ने कहा कि बिरयानी और पुलाव दोनों शब्द फारसी भाषा से जुड़े हैं, लेकिन पुलाव का संबंध भारतीय परंपरा और संस्कृत मूल से भी माना जाता है।उन्होंने कहा कि यदि किसी शब्द से किसी समुदाय की भावनाएं आहत होती हैं तो उसका विकल्प अपनाने में कोई हर्ज नहीं है। अब यह अभियान हरिद्वार में चर्चा का केंद्र बन गया है और इसे धर्मनगरी की सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर देखा जा रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 10 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा मछली प्रसादम् के लिए विशाल शिविर का भव्य आयोजन

देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने लिया लाभ

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा हर वर्ष की भाँति मृगशिरा के अवसर पर मछली प्रसादम हेतु विशाल शिविर का आयोजन नामपल्ली के समीप प्रदर्शनी प्रांगण में किया गया। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा समाज के प्रेस व मीडिया चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का शुभारंभ प्रातः 8 बजे से उपमा, पुलिहारा, सांभर राइस, वेजिटेबल बिरयानी, पूरी सब्जी, छाँछ, नींबू पानी एवं शीतल जल से प्रारंभ हुआ, जिसमें मछली प्रसाद लेने देश-विदेश से आने वाले विशाल जन समुदाय हेतु प्रबंध किया गया। यह शिविर मंगलवार सायं 6 बजे तक चला, जिसमें बिना रुके खान-पान का वितरण किया गया।

रात्रि 8:30 बजे हुआ शिविर का विधिवत उद्घाटन

रात्रि 8:30 बजे शिविर का विधिवत उद्घाटन समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार गोयल, समाज के परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, गोपाल मोर, कार्यक्रम के चेयरमैन मुन्नालाल अग्रवाल, परामर्शदाता सुरेश कुमार सिंघल, ताराचंद बंसल द्वारा किया गया। समाज के कार्यक्रम को विशाल एल.ई.डी. पर प्रसारित किया गया, जो मुख्य रूप से समस्त नुमाइश मैदान का आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें समाज के कैंप की गतिविधियाँ सीधे प्रदर्शित की जा रही थीं।

अस्थमा रोगियों के लिए निःशुल्क मछली प्रसादम की व्यवस्था

समाज के कैंप में मछली के मुँह में दवाई रखकर अस्थमा से पीड़ित मरीज के मुँह में डालकर कंठ द्वारा शरीर में पहुँचाई जाती है, जिससे मरीजों को लाभ प्राप्त होता है। मछली प्रसाद अशोक बंसल, दीपक अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सुरेंद्र पित्ती, राजकुमार अग्रवाल, अनिल पटवारी, राकेश अग्रवाल, योगेश जैन, यश अग्रवाल, संगेश अग्रवाल, कनिष्क गुप्ता एवं अन्य सदस्यों द्वारा मरीजों को खिलाया गया। दवाई के पश्चात मरीजों को वही दवाई प्लास्टिक की डिब्बी में रखकर दी गई, जिसे मरीजों को हर 15 दिन के अंतराल से तीन बार लेना होता है। दवाई के उपरांत मरीजों को किन बातों का परहेज करना होता है, उसके परिपत्र भी कैंप में वितरित किए गए। यह सारी व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई।समाज के कई सदस्य वॉलंटियर के रूप में शिविर आरंभ होने से अंत तक अपनी सेवाएँ प्रदान की, जिसमें महिलाओं की संख्या बहुत अधिक थी। वॉलंटियर को समय सारिणी के हिसाब से सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। शिविर में पुलिस विभाग एवं समाज के सदस्यों हेतु अल्पाहार, भोजन का प्रबंध किया गया।

सम्मान समारोह: विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति चिह्न प्रदान

अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविंद प्रसाद, मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन, सहमंत्री प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राज गोपाल अग्रवाल, अग्रवाल समाज के सलाहकार सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, गोपाल मोर, मछली प्रसाद कार्यक्रम के चेयरमैन मुन्नालाल अग्रवाल, सलाहकार सुरेश कुमार सिंघल, ताराचंद बंसल, अग्रवाल समाज के पाँच ज़ोन के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन, पश्चिम ज़ोन के मुकुंद लाल अग्रवाल, उत्तर ज़ोन के सुनील चोखानी, सेंट्रल ज़ोन के अजय कुमार तुलसीयान, तेलंगाना स्टेट फिशरीज़ कारप-ोरेशन के श्री मेट्टू साई कुमार एवं एक्ज़ीबिशन सोसायटी के पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष सुकेश रेड्डी, मंत्री बी.एन. राजेश्वर, सहमंत्री चंद्रशेखर, सदस्य अश्विन मर्गम, हनुमंत राव, गोपति साईबाबा का सम्मान स्मृति चिह्न प्रदान कर किया गया।

कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

मछली प्रसाद कमिटी के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, महेश कुमार अग्रवाल डाकोतिया, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अजय दोचानिया, ओमप्रकाश बंसल, सुरेश कुमार अग्रवाल टी. रामा, विजय कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, कैलाश चंद अग्रवाल, मनोज कुमार अग्रवाल, मनसाराम अग्रवाल, विभिन्न कमिटियों के चेयरमैन एवं अन्य सदस्यगण में आर.एन. गुप्ता, अशोक केडिया, दिनेश कुमार अग्रवाल, रवि गुप्ता, गोपाल अग्रवाल, उमा शंकर गोयंका, जितेंद्र अग्रवाल, शिव कुमार भालवाले, कमल अग्रवाल, वेणुगोपाल अग्रवाल, पंकज संघी, राजकुमार अग्रवाल, अशोक कुमार जिंदल, विजय कुमार अग्रवाल, कैलाश चंद अग्रवाल, दिलीप पसारी, मोहन मित्तल, विनोद टिकमानी, जनार्दन सुरेका, गिरधारीलाल अग्रवाल, किरण अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, निश्चिंत अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, गोविंद मोदी, धीरज अग्रवाल, महिलाओं में पिंकी गुप्ता, रिंकू गर्ग, सुमन गुप्ता, रानी मित्तल, संगीता जाजोदिया, नेहा अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, सरिता डाकोतिया, पूजा गुप्ता, संगीता गोयल, संगीता गोयंका, प्रेमलता अग्रवाल, सुनैना अग्रवाल, रजनी बंसल, सरिता चोखानी, अनिता अग्रवाल आदि बहुत अधिक संख्या में पुरुष एवं महिलाएँ उपस्थित थीं।

मछली प्रसाद लेने वाले भी बहुत बड़ी संख्या में उपस्थित थे। अग्रवाल समाज के सभी पदाधिकारियों, परामर्शदाता, कार्यक्रम के चेयरमैन, सलाहकार, कमिटी सदस्यों, वॉलंटियर्स एवं सभी सदस्यगण के अथक सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ।

शिविर का समापन मंगलवार को सायं 6 बजे हुआ। कार्यक्रम के चेयरमैन मुन्नालाल अग्रवाल ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

'शपथ' नशा मुक्ति अभियान के शुभारंभ हेतु डीजीपी सी.वी. आनंद को दिया आमंत्रण

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज द्वारा संचालित नशा मुक्ति जनजागरण अभियान शपथ – हमारा मिशन, हमारी जिम्मेदारी के औपचारिक शुभारंभ कार्यक्रम के लिए आयोजन समिति के प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद से भेंट कर उन्हें विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

यह कार्यक्रम आगामी 21 जून 2026 को भास्कर ऑडिटोरियम, बिरला प्लैनेटेरियम, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी को कार्यक्रम में उपस्थित होकर अभियान का शुभारंभ करने तथा आयोजन की गरिमा बढ़ाने का अनुरोध किया। भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी को ड्रग फ्री यंग इंडिया के उद्देश्य से प्रारंभ किए जा रहे अभियान की विस्तृत जानकारी दी। अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने, समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यह अभियान केवल जागरूकता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवाओं, अभिभावकों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों को जोड़कर व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने अग्रवाल समाज की इस समाजोपयोगी पहल की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को मिलकर कार्य करना चाहिए, ताकि युवाओं को स्वस्थ, सुरक्षित और सकारात्मक भविष्य प्रदान किया जा सके। डीजीपी से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में ङ्गशपथफ अभियान के चेयरपर्सन रामनिवास बंसल, प्रोजेक्ट डायरेक्टर देवेंद्र शास्त्री तथा आयोजन समिति के सदस्य राजीव अग्रवाल शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने अभियान के उद्देश्यों एवं भावी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए समाज के सभी वर्गों से इसमें सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा समाज के लिए प्रेरणा है : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सेवाभावियों ने भाग लेकर जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित किया।

अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के समाज सेवा का कार्य कर रहा है। इस सेवा के पीछे न कोई स्वार्थ है, न किसी प्रकार की चाहत और न ही सम्मान प्राप्त करने की इच्छा। ग्रुप केवल मानवता, करुणा और परोपकार की भावना को लेकर निरंतर सेवा कार्यों में जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि भूखे व्यक्ति को भोजन कराना और जरूरतमंद की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप जैसे संगठन लोगों के बीच प्रेम, सहयोग और भाईचारे का संदेश पहुंचा रहे हैं। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान, जीव सेवा, चिकित्सा सहायता और अन्य सामाजिक कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सेवा का यह कार्य लोगों में संवेद-नशीलता और मानवीय मूल्यों को मजबूत कर रहा है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरसुवाले अग्रवाल, विनोद तोषणीवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल एवं प्रवीण विजयवर्गीय सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे तथा अन्नदान सेवा में अपना सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने मानव सेवा को ही सच्ची ईश्वर सेवा बताते हुए समाज में अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह नियमित अन्नदान कार्यक्रम जरूरतमंदों के लिए आशा का केंद्र और समाज के लिए प्रेरणा का माध्यम बनता जा रहा है।

रानी सती दादी युवा शाखा के 'नेक्स्ट जेनहब' कार्यक्रम में युवाओं को मिली नई सीख

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज की रानी सती दादी युवा शाखा, घासी बाजार द्वारा 'नेक्स्ट जेनहब' कार्यक्रम का आयोजन राघव रतन टॉवर, 10वीं मंजिल, एबिड्स में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संयोजक रिंकू गर्ग, युवा अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, उपाध्यक्ष पृषा अग्रवाल, मंत्री रिया केड़िया, सहमंत्री यश गोयल एवं केंद्रीय समिति सदस्य कनक अग्रवाल द्वारा महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, सहमंत्री प्रतीक कुमार, सलाहकार गोपाल मोर, डॉ. अशोक, सुरेश कुमार अग्रवाल 'दिल्लीवाले' एवं सुरेश कुमार टंडन का शाखा की ओर से सम्मान किया गया। वहीं केंद्रीय समिति द्वारा संयोजक रिंकू गर्ग एवं युवा अध्यक्ष मोहित अग्रवाल का भी अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में पृषा अग्रवाल एवं कनक अग्रवाल ने डिजिटल मार्केटिंग विषय पर सेमिनार प्रस्तुत किया। उन्होंने सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) तथा आधुनिक डिजिटल स्किल्स की उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से आयोजित इस सत्र में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

द्वितीय सत्र में मानवी अग्रवाल ने फैशन डिज़ाइनिंग विषय पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विभिन्न अवसरों के अनुरूप स्टाइलिंग, कलर थ्योरी और फैशन ट्रेंड्स की जानकारी साझा की। साथ ही प्रतिभागियों को लाइव फैब्रिक ड्रेपिंग का प्रदर्शन भी दिखाया गया, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में लगभग 60 युवाओं ने भाग लिया और सेमिनार के विषयों पर अपने विचार एवं सकारात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं। आयोजकों ने बताया कि युवाओं के लिए आयोजित यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम था और इसी शृंखला को आगे बढ़ाते हुए 14 जून को पुनः एक विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें वेब डिज़ाइनिंग एवं मेकअप से संबंधित उपयोगी जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम की सफलता में रिंकू गर्ग, कविता गोयल, सुशील केड़िया, नीलम अग्रवाल, अनमोल अग्रवाल, नेहा अग्रवाल एवं अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हैदराबाद में पहली मानसून बौछार ने ली दो जानें बिजली गिरने से दो युवकों की मौत

शहर भर में सड़कें डूबीं, पेड़ गिरे, बिजली आपूर्ति बाधित, यातायात ठप

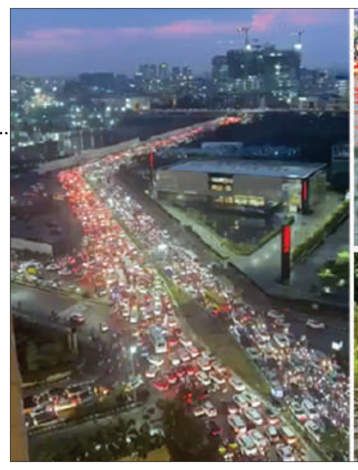

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

मंगलवार को हैदराबाद में मौसम की पहली व्यापक मानसून बारिश घातक साबित हुई, जिसमें ओल्ड सिटी में दो युवक बिजली गिरने से मारे गए, जबकि भारी बारिश से सड़कें डूब गईं, पेड़ गिर गए, बिजली आपूर्ति बाधित हुई और शहर के कई हिस्सों में यातायात ठप हो गया।

पुलिस ने मृतकों की पहचान चांद्रायणगुट्टा के 25 वर्षीय ज़फर और 16 वर्षीय अबू के रूप में की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों बांदलगुड़ा के पास एक ऑटोरिक्शा से उतरे और गलती से बारिश में भीगी सड़क पर पड़े टूटे बिजली के तारों की चपेट में आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस ने मामला दर्ज किया।

शहर के कई हिस्सों में 10 सेंटीमीटर बारिश, विनायक नगर में सबसे अधिक 98.5 मिमी वर्षा

दोपहर में शुरू हुई और शाम को तेज हो गई बारिश ने शहर के कुछ हिस्सों में लगभग 10 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की। तेलंगाना विकास योजना समिति (ढ्रझ्झड) के आंकड़ों के अनुसार, मलकाजगिरी के विनायक नगर में सबसे अधिक 98.5 मिमी वर्षा हुई, इसके बाद बेगमपेट के बंसीलालपेट में 87.5 मिमी, अंबरपेट के विट्ठलवाड़ी में 79.8 मिमी और सिकंदराबाद में जीएचएमसी मुख्यालय के पास 78.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

कई इलाकों में 50 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हुई, जिसमें मुशीराबाद, सिकंदराबाद, नामपल्ली, बहादुरपुरा, कुकटपल्ली, सेरिलिंगमपल्ली और अंबरपेट शामिल हैं। शाम 7 बजे तक शहर की औसत वर्षा 24.5 मिमी रही, जबकि अधिकांश सर्कलों में मध्यम वर्षा की सूचना मिली।

टैंक बंड पर पेड़ गिरने से यातायात बाधित, आईटी कॉरिडोर में तीन घंटे फंसे रहे कर्मचारी

टैंक बंड, सचिवालय, खैरताबाद, बेगमपेट, सिकंदराबाद और कई निचले इलाकों में जलजमाव की सूचना मिली। टैंक बंड पर एक पेड़ गिरने और सिकंदराबाद जाने वाली सड़क पर बारिश का पानी जमा होने से यातायात में गंभीर बाधा आई।

आईटी कॉरिडोर पर विशेष रूप से कड़ी मार पड़ी। माधापुर, हाईटेक सिटी, गचीबोवली, कोंडापुर, रायदुर्ग और आसपास के इलाकों में ऑफिस जाने वाले लोगों के पीक आवर्स में निकलने के प्रयास के दौरान यातायात रेंगने लगा। प्रमुख चौराहों पर लंबी कतारें लग गईं, यात्रियों ने बताया कि यात्रा में सामान्य से कई घंटे अधिक समय लगा। आईटी पेशेवर माधापुर यातायात में तीन घंटे से अधिक समय तक फंसे रहे, जबकि वीडियो में एंबुलेंसें संकरी सड़कों से निकलने के लिए संघर्ष करती हुई दिखाई दीं। ङ्गमैं मेट्रो लेने की भी हैसियत नहीं रखती क्योंकि सब वहीं जा रहे हैं, जो एक सामान्य दिन में पहले से ही बुरी तरह भीड़भाड़ वाली होती है,ङ्गङ्ग कहा स्वाति प्रीतम ने, जो शाम 6.50 बजे ऑफिस छोड़ने के बाद रात 9 बजे यातायात में फंसी हुई एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं।

एक यात्री ने कहा कि हैदराबाद मानसून की स्थिति के लिए अपर्याप्त रूप से तैयार प्रतीत होता है, जबकि दूसरे ने कहा कि बारिश की चेतावनी के बावजूद यातायात प्रबंधन विफल रहा।

76 पेड़ गिरने की घटनाएं, तारनाका-नाचाराम में घंटों बिजली गुल

हाइड्रा अधिकारियों ने कहा कि शहर भर में गिरे पेड़ों को हटाने और जमा पानी निकालने के लिए आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें तैनात की गईं। लगभग 76 पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आईं, जिनमें सेरिलिंगमपल्ली, कोंडापुर, गचीबोवली, शेखपेट, तोलीचौकी, माधापुर, सिकंदराबाद और हैदरगुड़ा में टीमें सेवा में लगाई गईं। बारिश ने गर्मी से भी राहत दी। सोमवार को हैदराबाद का औसत अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री सेल्सियस था, जबकि कुछ स्थानों पर तापमान लगभग 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। मंगलवार को बादल छाए रहने, बारिश होने और तेज हवाएं चलने से तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया, जिससे असहनीय प्री-मानसून गर्मी का अंत हुआ। तारनाका, नाचाराम और विद्यानगर के निवासियों ने घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की, तूफान के बाद बिजली आपूर्ति कई घंटों तक ठप रही।

अगले 4-5 दिनों में तेलंगाना में मानसून के आगे बढ़ने के अनुकूल हालात

तेलंगाना में मौसम केंद्र ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले 4-5 दिनों के भीतर आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बनी हुई हैं और इसके पूरे राज्य को कवर करने की उम्मीद है। मौसम केंद्र ने अपनी दैनिक रिपोर्ट में कहा कि अगले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना के खम्मम, नलगोंडा, सूर्यपेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनुमाकोंडा और नागरकुर्नूल जिलों में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। बुधवार को जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, महबूबनगर, नागरकुर्नूल, वनपर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों में भी ऐसी ही स्थिति रहने की संभावना है। तेलंगाना में अगले सात दिनों के दौरान सभी या कुछ जिलों में कुछ जगहों पर बिजली कड़कने और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने की पूरी संभावना है। राज्यभर में कई जगहों या कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है।

राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा बन रही मानवता की मिसाल : पाबूराम कुमावत

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, समर्पण और सेवा भावना के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद, निराश्रित एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सेवाभावियों ने मानव सेवा को ईश्वर सेवा बताते हुए समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति से ऐसे पुण्य कार्यों में सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पीपाराम कुमावत ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस समर्पण, निष्ठा और निष्काम भाव से समाज सेवा का कार्य कर रहा है, वह वास्तव में अद्भुत और अविश्वसनीय है। आज के समय में जहां अधिकांश लोग अपने व्यक्तिगत जीवन तक सीमित हो जाते हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग या संप्रदाय के भेदभाव के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में प्रेम, भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं तथा युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनते हैं।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम पीपावत, मनीष चिंडालिया, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, गोपाल गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, जगन गुप्ता एवं रविंद्र शर्मा सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया तथा भविष्य में भी समाजहित के कार्यों में निरंतर जुड़े रहने का संकल्प लिया।

मछली प्रसाद वितरण : जन सेवा संघ ने लगाया विशाल सेवा शिविर

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ द्वारा मछली प्रसाद वितरण के अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से हैदराबाद पहुंचे श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों की सुविधा के लिए नुमाइश मैदान में विशाल सेवा शिविर का आयोजन किया गया। यह जानकारी जन सेवा संघ के केंद्रीय कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। जन सेवा संघ मेडिकल कमेटी के संयोजक सीताराम ठाकुर के नेतृत्व में आयोजित इस सेवा शिविर का उद्घाटन 8 जून को पूर्व महानिदेशक (जेल), आंध्र प्रदेश मोहम्मद अहसान रेजा, आईपीएस द्वारा किया गया। शिविर में सेवा कार्य 9 जून दोपहर तक निरंतर जारी रहा।

शिविर के दौरान जन सेवा संघ के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओं को विभिन्न प्रकार के पौष्टिक फल, खिचड़ी एवं शुद्ध पेयजल का निःशुल्क वितरण किया गया। साथ ही मछली प्रसाद एवं उससे संबंधित आवश्यक जानकारी पंपलेट के माध्यम से आगंतुकों को उपलब्ध कराई गई।

सेवा शिविर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लाभ उठाया और संघ की जनसेवा गतिविधियों की सराहना की।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जन सेवा संघ के सैकड़ों कार्यकर्ता पिछले एक सप्ताह से दिन-रात सेवा कार्य में जुटे रहे। शिविर के संचालन में मेडिकल कमेटी के संयोजक सीताराम ठाकुर, केंद्रीय कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, छठ पूजा एवं उत्सव समिति के संयोजक आर.पी. सिंह, शिष्टाचार समिति के संयोजक श्रीकांत पांडेय, संचालन एवं समन्वय समिति के संयोजक डी.डी. तिवारी, डेलिगेशन कमेटी के संयोजक के.डी. चौबे सहित अनेक पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इसके अतिरिक्त केंद्रीय समिति सदस्य एवं उत्तर संभाग अध्यक्ष राधेश्याम राय यादव, एल.एन. चौबे, भोला सिंह, श्रवण कुमार, ए.के. मिश्रा, सुरेश पंडित, एल.एम. चौधरी, श्याम शाह, मोहम्मद मुनव्वर, मीडिया प्रभारी बिनीत सिंह, मदन लाल रावल, कुपाराम चौधरी, राजेश शर्मा, हरी सिंह, जे.के. सिंह सहित कई वरिष्ठ सदस्यों ने सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई।

जन सेवा संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज सेवा एवं मानवता की भावना से प्रेरित ऐसे आयोजन भविष्य में भी जारी रहेंगे।

एनआईआईएमएच द्वारा हरित योग एवं जन-संपर्क कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद द्वारा आगामी 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को विशेष ङ्गहरित योग एवं जन-संपर्कफ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत वनौषधि वितरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान संचालित किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के निकट स्थित आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय कॉलोनी के सार्वजनिक पार्क में स्थानीय योग एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित किया गया। संपूर्ण अभियान का संचालन संस्थान के सहायक निदेशक (प्रभारी) डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रातः 6 बजे संस्थान की विशेषज्ञ टीम ने कृषि विश्वविद्यालय योग एसोसिएशन के सदस्यों एवं योगाभ्यासियों के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। इसके पश्चात उपस्थित नागरिकों को आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) तथा एनआईआईएमएच द्वारा आयोजित की जाने वाली आगामी गतिविधियों की जानकारी दी गई। साथ ही सभी नागरिकों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजनों में सक्रिय भागीदारी कर इसे जन-आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान की टीम ने स्थानीय निवासियों एवं योग एसोसिएशन के सदस्यों को निःशुल्क औषधीय पौधों का वितरण किया।

चिकित्सा विशेषज्ञों ने उपस्थित नागरिकों एवं महिलाओं को योग एवं आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों, संतुलित दिनचर्या, उचित खान-पान तथा समग्र स्वास्थ्य संरक्षण के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने दैनिक जीवन में आयुर्वेद और नियमित योगाभ्यास को अपनाने पर बल देते हुए स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया।

इस स्वास्थ्य जागरूकता अभियान का संचालन अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. संतोष माने की देखरेख तथा ग्रंथालय एवं सूचना सहायक के. श्रीनिवास राव के पर्यवेक्षण में किया गया।

विहार सेवा परिवार शालिबंडा टीम का रामकोट में सम्मान

साधु-साध्वियों की विहार सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया बहुमान

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रामकोट स्थित श्री जैन सेवा संघ परिसर में विभिन्न जैन संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में विहार सेवा परिवार शालिबंडा टीम के सदस्यों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। साधु-साध्वियों की विहार सेवा में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए टीम के सदस्यों का बहुमान किया गया।

कार्यक्रम में श्री जैन सेवा संघ, रामकोट के अध्यक्ष उमेश बागरेचा, महामंत्री विमलचंद मुथा, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ, फीलखाना के पूर्व महामंत्री मुकेशभाई चौहान, सोनाणा पार्श्व मंदिर के ट्रस्टी कांतिलाल बागरेचा, श्री अजित पार्श्व युवा संगठन के निदेशक नरेश पारेख सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सम्मानित किए गए सदस्यों में सुरेंद्र भंडारी, योगेश चोपड़ा एवं दिलीप अलीजार प्रमुख रूप से शामिल रहे।

प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए रिद्धिश जागीरदार ने बताया कि विहार सेवा परिवार त्रयनगर के अंतर्गत कार्यरत शालिबंडा टीम साधु-साध्वियों के विहार के दौरान सुरक्षा, वाहन व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सेवाओं में विशेष योगदान दे रही है। चारकमान श्री जैन संघ के मार्गदर्शन में यह टीम निरंतर सेवा कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि महेंद्रभाई मुणोत, अशोकभाई कटारिया, प्रवीणभाई नाहटा एवं दिलीपभाई झाबक जैसे वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन टीम को निरंतर प्राप्त हो रहा है। वहीं धनराजभाई छाजेड़, सुरेंद्र भंडारी, योगेश चोपड़ा, दिलीप अलीजार, यश नाहटा, भरत बरलोटा, सिद्धार्थ झाबक, चेतन बैद, महावीर बैद एवं जयेश कटारिया सहित अनेक सदस्य वाहन सेवा एवं विहार व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं।

विहार सेवा से जुड़े दिनेश बागरेचा, पवन बागरेचा, दीपेश मुणोत, श्रेणिक लोढ़ा एवं गौतम बडेरा सहित अनेक सेवकों को विभिन्न जैन संघों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। सेठ लब्धिनाथ शांतिनाथ पारस ट्रस्ट, नगपुरा (दुर्ग, छत्तीसगढ़) की ओर से पूज्य साध्वीजी श्री लक्ष्ययशाश्रीजी म.सा., पूज्य साध्वीजी श्री लब्धियशाश्रीजी म.सा. एवं पूज्य साध्वीजी श्री आज्ञायशाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा की निश्रा में उन्हें ङ्गविहार विभूषणफ सम्मान से अलंकृत किया गया।

रिद्धिश जागीरदार ने बताया कि विहार सेवा परिवार शालिबंडा के कार्यकर्ता हैदराबाद से विभिन्न राजमार्गों पर 80 से 100 किलोमीटर तक जाकर गुरु भगवंतों की सेवा में सहयोग करते हैं। कार्यकर्ता प्रातः 3 से 5 बजे के बीच घर से निकलते हैं और देर रात तक सेवा कार्य में जुटे रहते हैं। साधु-साध्वियों के पैदल विहार के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेवक आगे-पीछे तथा साथ चलते हैं। अशक्त साधु-साध्वियों के लिए व्हीलचेयर सेवा भी उपलब्ध कराई जाती है। इस सेवा कार्य में दर्शनभाई, निशा मेहता, हिमेशभाई एवं तृप्ति बहन सहित अनेक सहयोगी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने विहार सेवा परिवार की निस्वार्थ सेवा भावना की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

तेलंगाना बनेगा नवाचार और निवेश का केंद्र: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 09 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य को एआई अनुसंधान और नवाचार के एक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिये कृत संकल्पित है ताकि देश में एआई के बारे में सोचते समय सबसे पहले यहां का नाम उभरकर सामने आए।

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा उद्यमशिलता, औद्योगिक विकास और कौशल विकास को बढ़ावा देकर तेलंगाना को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी एवं नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था बनाने की बात दोहराई। उन्होंने जुबली हिल्स के जेआरसी सम्मेलन केंद्र में तेलंगाना वाणिज्य एवं उद्योग मंडल संघ (एफटीसीसीआई) एक्सीलेंस अवार्ड्स 2026 प्रदान करने के बाद कई दशकों से उत्कृष्टता, नवाचार और उद्यमशिलता को बढ़ावा देने के लिए संघ की सराहना की। उन्होंने कहा कि उद्यमी राज्य की औद्योगिक संस्कृति को मजबूत करने और रोजगार के अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने एक छोटे उद्यमी की सफलता की कहानी बताई, जो एक उद्योगपति बन गया और 250 लोगों को नौकरी दी। श्रीधर बाबू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रोत्साहन, कौशल विकास और निवेशक-अनुकूल नीतियों के माध्यम से ऐसे उद्यमियों का समर्थन करना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.